RNI No. 58061/93 ▪ वर्ष - 21 ▪ अंक - 102 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- बेंगलूरु » गुरुवार » 06-11-2025 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 कांग्रेस नेता राहुल गांधी देश को गुमराह करने की कोशिश कर रहे हैं : सैनी

6 सरकार की आलोचना करते समय सेना को क्यों घसीटा जाए?

7 जीवन सिर्फ सांस लेने का नाम नहीं : यामी गौतम

फर्स्ट टेक

रजनीकांत की अगली फिल्म 'थलाइवर173'

चेन्नई/भाषा। अभिनेता कमल हासन की राजकमल फिल्म्स इंटरनेशनल ने बुधवार को घोषणा की कि वह अभिनेता रजनीकांत की अगली फिल्म 'थलाइवर173' प्रस्तुत करेगी। प्रोडक्शन हाउस द्वारा जारी एक विज्ञप्ति में कहा गया है कि फिल्म का निर्देशन सुंदर सी करेंगे। विज्ञप्ति में कहा गया है, यह ऐतिहासिक साझेदारी न केवल भारतीय सिनेमा की दो दिग्गज ताकतों को एकजुट करती है, बल्कि सुपरस्टार रजनीकांत और कमल हासन के बीच पांच दशकों की दोस्ती और भाईचारे को भी रेखांकित करती है, जो कई पीढ़ी के कलाकारों और दर्शकों को प्रेरित करती रहेगी।'' यह फिल्म राजकमल फिल्म्स इंटरनेशनल के 44 साल पूरे होने के मौके पर आएगी। 'थलाइवर173' को पोंगल 2027 के दौरान रेड जायंट मूवीज के माध्यम से सिनेमाघरों में रिलीज किया जाएगा।

टेस्ला ने शरद अग्रवाल को नियुक्त किया भारत प्रमुख

नई दिल्ली/भाषा। अमेरिका की इलेक्ट्रिक वाहन कंपनी टेस्ला ने लैम्बॉर्गिनी इंडिया के पूर्व प्रमुख शरद अग्रवाल को अपने भारतीय परिचालन का नेतृत्व करने के लिए नियुक्त किया है। सूत्रों ने यह जानकारी दी। यह नियुक्ति ऐसे समय में हुई है जब कंपनी भारतीय बाजार में अपनी उपस्थिति मजबूत करने पर विचार कर रही है। टेस्ला ने जुलाई में मुंबई में अपना पहला अनुभव केंद्र खोला और अगस्त में दिल्ली के एरोसिटी में दूसरा अनुभव केंद्र खोला। इस साल जुलाई में मॉडल 'वाई' पेश करने के बाद कंपनी ने इसकी आपूर्ति शुरू कर दी है। लैंबॉर्गिनी के बाद, अग्रवाल ने महिंद्रा एंड महिंद्रा की इकाई क्लासिक लीजेंड्स में मुख्य व्यवसाय अधिकारी का पद भी संभाला था।

एयर इंडिया की चेक-इन प्रणाली के बाधित होने से उड़ानों में हुई देरी

नई दिल्ली/भाषा। एयर इंडिया की चेक-इन प्रणाली बुधवार को दिल्ली और कुछ अन्य हवाई अड्डों पर बाधित रही, जिससे कई उड़ानों के प्रस्थान में देरी हुई। चेक-इन प्रणाली में यह समस्या तृतीय पक्ष की नेटवर्क कनेक्टिविटी में आई खराबी के कारण उत्पन्न हुई थी। टाटा समूह की एयरलाइन ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि अब चेक-इन प्रणाली को बहाल कर दिया गया है लेकिन स्थिति सामान्य होने तक कुछ उड़ानों में थोड़ी देरी जारी रह सकती है। एयर इंडिया ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर कहा, कुछ हवाई अड्डों पर हमारी चेक-इन प्रणाली को प्रभावित करने वाली नेटवर्क कनेक्टिविटी समस्या के कारण उड़ानों के प्रस्थान में देरी हुई।

सूर्यास्त 06-11-2025 5:51 बजे	सूर्योदय 07-11-2025 6:15 बजे
BSE 83,459.15 (-519.34)	NSE 25,597.65 (-165.70)
सोना 12,609 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	चांदी 150,121 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

तोड़ो नहीं जोड़ो

जन गण मन के गुंजित स्वर की,
लगता है लय टूट रही।
भाईचारे की वल्गाएं,
हाथों से अब छूट रही।
कुछ के हित चिंतन से सबकी,
किस्मत मानो फूट रही।
जोड़ो उन कड़ियों को वापिस,
जिनसे शक्ति अटूट रही।।

गुरु नानक जयंती

बुधवार को बीदर में गुरु नानक जयंती के जुलूस में अपनी प्रस्तुति देते हुए कलाकार।

रक्षा बलों में अराजकता फैलाने की कोशिश कर रहे हैं राहुल : राजनाथ सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बांका/जमुई/गयाजी/भाषा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बुधवार को आरोप लगाया कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी ''रक्षा बलों में आरक्षण की मांग कर देश में अराजकता फैलाने की कोशिश कर रहे हैं।'' सिंह ने बिहार में चुनाव प्रचार के दौरान राहुल गांधी पर कटाक्ष करते हुए कहा कि कांग्रेस नेता के पास अब तालाब में कूदने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा है। उन्होंने हाल में कांग्रेस नेता के चुनावी अभियान के दौरान मछली पकड़ने की कोशिश पर तंज कसा।

रक्षा मंत्री ने यह भी कहा कि राहुल गांधी बिना किसी आधार के निर्वाचन आयोग जैसे संवैधानिक संस्थानों पर निशाना साध रहे हैं।

बिहार के जमुई जिले में एक जनसभा को संबोधित करते हुए सिंह ने कहा, राहुल जी को क्या हो गया है? वे रक्षा बलों में आरक्षण की बात उठा रहे हैं। वे देश में अराजकता फैलाने की कोशिश कर रहे हैं। हमारे सशस्त्र बल इन सब चीजों से ऊपर हैं। उन्होंने कहा, भारत के सैनिकों का केवल एक धर्म है 'सैन्य धर्म'। भाजपा आरक्षण के पक्ष में है। हमने गरीबों और समाज के पात्र वर्गों को आरक्षण दिया है।

■ भाजपा आरक्षण के पक्ष में है। हमने गरीबों और समाज के पात्र वर्गों को आरक्षण दिया है।

राहुल गांधी ने मंगलवार को बिहार में चुनावी सभाओं के दौरान दावा किया था कि निजी क्षेत्र, न्यायपालिका, नौकरशाही और सशस्त्र बलों में पिछड़ी जातियों, आदिवासी समुदायों और अल्पसंख्यकों का बहुत कम प्रतिनिधित्व है, जबकि 10 प्रतिशत आबादी इन संस्थानों पर नियंत्रण रखती है।

सिंह ने कहा कि राहुल गांधी को यह समझना चाहिए कि देश चलाना बच्चों का खेल नहीं है। उन्होंने पुलवामा जैसे आतंकी हमले के बाद भारतीय सेना द्वारा की गई 'ऑपरेशन सिंदूर' की कार्रवाई का उल्लेख करते हुए कहा, ऑपरेशन सिंदूर को रोका गया है, खत्म नहीं किया गया। अगर आतंकवादी भारत पर फिर हमला करने की कोशिश करेंगे तो उन्हें मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगा।

सिंह ने कहा, हमारे सैनिकों ने आतंकवादियों को धर्म के आधार पर नहीं, बल्कि उनके कर्मों के आधार पर मारा। भारतीय सेना ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान आतंकियों के ठिकानों को पूरी तरह नष्ट कर दिया... मैं मारे गए आतंकवादियों की संख्या नहीं बताना चाहता, पर यह तीन अंकों से कहीं अधिक है। उन्होंने कहा कि भारत किसी को उकसाता नहीं है, लेकिन अगर कोई देश भारत को उकसाने की कोशिश करता है तो उसे बख्शा नहीं जाएगा। सिंह ने कहा कि अब भारत एक कमजोर देश नहीं रहा, बल्कि दुनिया में एक शक्तिशाली राष्ट्र के रूप में जाना जाता है।

गयाजी की सभा में उन्होंने कहा, राहुल गांधी बिना किसी सबूत के निर्वाचन आयोग जैसे संवैधानिक संस्थानों को निशाना बना रहे हैं।

भारत किसानों के हितों के साथ नहीं करता समझौता : गोयल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

ऑकलैंड/भाषा। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने बुधवार को कहा कि भारत डेयरी, कृषि और एमएसएमई जैसे संवेदनशील क्षेत्रों के हितों की रक्षा सभी मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) में करता रहा है और इस पर कोई भी समझौता नहीं करेगा।

गोयल ने यह भी कहा कि भारत और न्यूजीलैंड के बीच प्रस्तावित व्यापार समझौते पर बातचीत में महत्वपूर्ण प्रगति हुई है। इस समय दोनों देशों के वरिष्ठ अधिकारी चौथे दौर की बातचीत कर रहे हैं। उन्होंने कहा, ''भारत डेयरी, किसानों और एमएसएमई के हितों से कभी भी समझौता नहीं करता है। हम हमेशा इन संवेदनशील क्षेत्रों के हितों की सुरक्षा करते हैं।''

न्यूजीलैंड विश्व का प्रमुख डेयरी उत्पादक देश है, और ऐसे में इस क्षेत्र में बाजार पहुंच बढ़ाने की उसकी मांग को लेकर भारत की स्थिति महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

■ भारत ने अब तक किसी भी व्यापार समझौते में डेयरी या कृषि क्षेत्र में साझेदार देश को शुल्क रियायत नहीं दी है।

न्यूजीलैंड की चार दिन की आधिकारिक यात्रा पर वेलिंगटन पहुंचे गोयल ने संवाददाताओं से कहा कि दोनों देशों ने व्यापार समझौते में एक-दूसरे की संवेदनशीलता का सम्मान करने पर सहमति जताई है। उन्होंने स्पष्ट किया कि भारत ने अब तक किसी भी व्यापार समझौते में डेयरी या कृषि क्षेत्र में साझेदार देश को शुल्क रियायत नहीं दी है। उन्होंने कहा, ''हम ऐसे मुद्दों को नहीं छूते हैं। हम एक-दूसरे की संवेदनशीलता का सम्मान करते हैं।''

वार्ता के अगले चरणों को लेकर पूछे गए सवाल पर वाणिज्य मंत्री ने कहा, ''हो सकता है कि हमें बहुत अधिक चरणों की जरूरत न पड़े। इस दिशा में उल्लेखनीय प्रगति पहले ही हो चुकी है। व्यापार समझौते की दिशा में ठोस चर्चा चल रही है।

भाजपा ईसाइयों के लिए खतरा नहीं है : जॉर्ज कुरियन

आइजोल/भाषा। केंद्रीय मंत्री जॉर्ज कुरियन ने बुधवार को कहा कि भाजपा ईसाइयों के लिए खतरा नहीं है। उत्तर-पश्चिमी मिजोरम के मामित जिले के दारलुंग गांव में एक रैली को संबोधित करते हुए कुरियन ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ईसाई धर्म की विरोधी नहीं है और ईसाइयों के लिए पार्टी में डरने की कोई बात नहीं है।

कुरियन ने कहा कि वह ईसाई बहुल मिजोरम में भगवा पार्टी से डरने की कथित शिक्षा से हैरान हैं। कुरियन ने कहा, ''मैं 1980 में भाजपा की स्थापना के समय से ही इसमें शामिल हूं। मैं केरल से हूं और एक सच्चा और आस्थावान ईसाई हूं। अपनी आस्था के कारण मुझे भाजपा सदस्य होने में कभी कोई कठिनाई नहीं हुई। इसलिए लोगों को भाजपा से डरना सिखाना सिर्फ एक राजनीतिक खेल है। उन्होंने कहा, किसी ईसाई का भाजपा से जुड़ना कोई विरोधाभास नहीं है। अल्पसंख्यक मामले, मत्स्य पालन, पशुपालन और डेरी मंत्रालय के केंद्रीय राज्य मंत्री कुरियन ने कहा कि क्षेत्र में विकास के लिए डम्पा को दिल्ली से जोड़ा जाना चाहिए।

भारत के आंतरिक मामलों पर टिप्पणी करने का पाकिस्तान को कोई अधिकार नहीं : मांडविया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नयी दिल्ली/भाषा। केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्री मनसुख मांडविया ने बुधवार को कहा कि पाकिस्तान को भारत के आंतरिक मामलों पर टिप्पणी करने का कोई अधिकार नहीं है और उसे वैश्विक मंचों का दुरुपयोग करना बंद करना चाहिए।

मांडविया ने कहा कि पाकिस्तान भारतीय नागरिकों के खिलाफ सीमा पार आतंकवादी गतिविधियों में लिप्त है और उन्होंने पड़ोसी देश को आत्मचिंतन करने की सलाह दी।

मंत्री कतर के दोहा में दूसरे विश्व सामाजिक विकास शिखर सम्मेलन के पूर्ण सत्र में भारत का आधिकारिक रुख प्रस्तुत कर रहे थे। उन्होंने मंगलवार को पाकिस्तान के राष्ट्रपति द्वारा भारत के संबंध में की गई कुछ अनुचित टिप्पणियों पर कड़ी आपत्ति जताई।

मांडविया ने कहा, ''भारत के खिलाफ दुष्प्रचार दुनिया का ध्यान सामाजिक विकास पर से हटाने के लिए अंतरराष्ट्रीय मंच का दुरुपयोग है। हम सच्चाई सामने लाना चाहते हैं।''

सिंधु जल संधि पर उन्होंने कहा कि पाकिस्तान ने ''निरंतर शत्रुता और सीमापार आतंकवाद'' के माध्यम से इसकी भावना को कमजोर किया है। मंत्री ने कहा कि पाकिस्तान ने ''भारत की वैध परियोजनाओं में बाधा डालने के लिए संधि तंत्र का बार-बार दुरुपयोग किया है।''

केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर के संबंध में, मांडविया ने कहा कि पाकिस्तान को भारत के आंतरिक मामलों पर टिप्पणी करने का कोई अधिकार नहीं है।

मंत्री ने कहा, ''यह विशेष रूप से तब होता है जब वह भारत के नागरिकों के खिलाफ सीमा पार आतंकवादी गतिविधियों में लिप्त होता है।'' उन्होंने पाकिस्तान को आत्मचिंतन करने और विकास से संबंधित अपनी गंभीर चुनौतियों का समाधान करने की सलाह दी।

मांडविया ने कहा कि इन आंतरिक चुनौतियों के कारण पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय समुदाय से मिलने वाली सहायता पर निर्भर हो गया है। उन्होंने कहा, ''उसे अंतरराष्ट्रीय मंचों का दुरुपयोग करना बंद करना चाहिए।''

देश की आर्थिक वृद्धि और सामाजिक प्रगति के बारे में बात करते हुए मांडविया ने कहा कि भारत के विकास की कहानी बड़े पैमाने पर बदलाव की कहानी है।

भारत-जापान साझेदारी हिंद-प्रशांत क्षेत्र में स्थिरता को बढ़ाती है : जयशंकर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नयी दिल्ली/भाषा। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बुधवार को कहा कि भारत-जापान साझेदारी हिंद-प्रशांत क्षेत्र में रणनीतिक स्थिरता को बढ़ाती है और वैश्विक स्तर पर आर्थिक विकास में योगदान देती है।

जयशंकर ने कहा कि ''स्वतंत्र और खुला'' हिंद-प्रशांत क्षेत्र बनाए रखना बेहद जरूरी है, लेकिन यह एक जटिल चुनौती भी है।

वह 'दिल्ली पॉलिसी ग्रुप' और 'जापान इंस्टीट्यूट ऑफ इंटरनेशनल अफेयर्स' द्वारा आयोजित भारत-जापान हिंद-प्रशांत मंच को संबोधित कर रहे थे।

जयशंकर ने कहा, ''पिछले कुछ दशकों में हमारी साझेदारी और गहरी हुई है। यह हिंद-प्रशांत क्षेत्र में रणनीतिक स्थिरता को बढ़ाने और वैश्विक स्तर पर आर्थिक विकास में योगदान देने का काम करती है।'' उन्होंने कहा, ''स्वतंत्र और खुला हिंद-प्रशांत क्षेत्र बनाए रखना अनिवार्य है, लेकिन यह एक जटिल चुनौती भी है।''

जयशंकर ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का जापान की प्रधानमंत्री साने ताकाइची के पदभार ग्रहण करते ही उनसे फोन पर बातचीत करना इस बात का प्रमाण है कि दोनों पक्ष संबंधों को कितनी प्राथमिकता देते हैं।

विदेश मंत्री ने कहा कि दो प्रमुख लोकतंत्रों और समुद्री राष्ट्रों के रूप में भारत और जापान की हिंद-प्रशांत क्षेत्र के प्रति बड़ी जिम्मेदारी है।

सात नवंबर को 'निसार' उपग्रह के परिचालन शुरू करने की घोषणा की जाएगी : इसरो प्रमुख

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के अध्यक्ष वी. नारायणन ने बुधवार को कहा कि इसरो और अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी 'नासा' द्वारा संयुक्त रूप से विकसित 'निसार' उपग्रह के परिचालन शुरू करने की घोषणा शुक्रवार को की जाएगी।

'नासा-इसरो सिंथेटिक ऐपर्चर रडार' (निसार) को अब तक का सबसे महंगा पृथ्वी अवलोकन उपग्रह कहा जाता है।

यह उपग्रह पृथ्वी की अधिकतर भूमि और बर्फीली सतहों पर हर 12 दिनों में दो बार निगरानी की क्षमता रखता है। करीब 2,400 किलोग्राम वजनी 'निसार' उपग्रह को 30 जुलाई को इसरो के सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से जीएसएलवी रॉकेट का उपयोग करके प्रक्षेपित किया गया था। नारायणन ने यहां 'उभरते विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार सम्मेलन' (ईएसटीआईसी) को संबोधित करते हुए कहा, ''संपूर्ण डेटा का निर्धारण पूरा हो चुका है और हम सात नवंबर को एक सम्मेलन आयोजित करेंगे, जिसमें उपग्रह के परिचालन शुरू करने की घोषणा की जाएगी।''

नारायणन ने कहा, ''सारा डेटा बहुत उत्कृष्ट है।

वाराणसी के घाटों पर 'देव दीपावली' की शुरुआत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वाराणसी (उप्र)/भाषा। वाराणसी में गंगा के पावन तट पर आस्था, संस्कृति एवं परंपरा के महापर्व 'देव दीपावली' की शुरुआत बुधवार शाम वैदिक मंत्रोच्चार और ''हर हर महादेव'' के उद्घोष के बीच मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दीप प्रज्वलित करके की। इससे पहले सुबह कार्तिक पूर्णिमा पर वाराणसी में गंगा घाटों पर भारी संख्या में श्रद्धालुओं ने पवित्र नदी में डुबकी लगाई।

देव दीपावली के पावन पर्व पर बुधवार शाम काशी के अर्धचंद्राकार गंगा घाटों पर जब शाश्वत ज्योति की लौ प्रज्वलित हुई, तो पूरा शहर दिव्यता और भव्यता के अद्भुत संगम में डूब गया। गंगा तट की सीढ़ियों पर जलते लाखों दीपों की रोशनी ने ऐसा दृश्य प्रस्तुत किया, मानो स्वर्ग स्वयं धरती पर उतर आया हो। गोधूलि बेला में उत्तरवाहिनी गंगा की लहरों पर जब दीपों की सुनहरी आभा झिलमिलाई, तो पूरी काशी आलोकित हो गई।

■ देव दीपावली की शुरुआत मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने नमो घाट पर पहला दीप प्रज्वलित करके की।

एक आधिकारिक बयान के अनुसार देव दीपावली की शुरुआत मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने नमो घाट पर पहला दीप प्रज्वलित करके की। उनके साथ पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह, राज्य मंत्री रवीन्द्र जायसवाल, विधायक डॉ नीलकंठ तिवारी, जिला पंचायत अध्यक्ष पूनम मौर्य, महापौर अशोक तिवारी ने भी दीप प्रज्वलित करके मां गंगा को नमन किया।

इसके बाद सभी विशिष्ट अतिथियों ने क्रूज पर सवार होकर मां गंगा की आरती के साथ घाटों पर सजी देव दीपावली का अद्भुत नजारा लिया। योगी को अपने बीच देखकर जनता ने ''हर हर महादेव'' का जयघोष भी किया। मुख्यमंत्री ने हाथ हिलाकर काशी की जनता और पर्यटकों का अभिवादन किया।

धर्म के साथ राष्ट्रीयता का संदेश देते हुए दशाश्वमेध घाट पर 'अमर जवान ज्योति' की अनुकृति स्थापित की गई। यहां पर कारगिल युद्ध के वीर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। देव दीपावली महोत्सव को ऑपरेशन सिंदूर के नाम समर्पित किया गया, जिसमें देश की वीर माताओं के आंचल को नमन किया गया।

मुनि विनीतकुमार व पुनीतकुमार का मंगल भावना समारोह आयोजित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हुब्बल्ली। शहर के नूतन वासुपूज्य भवन में तेरापंथ मुनि विनीतकुमारजी व पुनीतकुमारजी के आध्यात्मिक जीवन की मंगल कामना के लिए तेरापंथ समाज द्वारा कार्यक्रम आयोजित किया गया। मुनि विनीत कुमार जी ने राजा परदेसी का व्याख्यान देते हुए परदेसी राजा की कथा सुनाई। मुनिश्री ने श्रावक समाज को प्रेरणा देते हुए कहा, जैसे परदेसी राजा ने अंत में धर्म को समझ कर अपनी आत्मा का कल्याण किया वैसे ही आप सब भी धर्म को आत्मसात करते हुए अपनी आत्मा का कल्याण करें। मुनि पुनीत कुमार जी ने चातुर्मास के प्रमुख कार्यक्रमों की जानकारी देते हुए मंगल प्रेरणा दी। तेयुप के युवा गायक प्रदीप बागरेचा ने मंगलाचरण किया। तेरापंथ सभा के अध्यक्ष पारसमल भंसाली, पूर्व सभा अध्यक्ष सोहनराज कोठारी, कार्यसमिति सदस्य अशोक पालगोता, अणुव्रत समिति के अध्यक्ष महेंद्र पालगोता, अणुव्रत विश्व भारती के राज्य प्रभारी केसरीचंद गोलछा, तेयुप के पूर्व अध्यक्ष महावीर कोठारी, महिला मंडल की पूर्व अध्यक्षा तारा बोहरा, सहमंत्री अंजली कोठारी, नीतू पालगोता आदि ने मुनिश्री के प्रति मंगल भावना व्यक्त की। गोचरी ग्रुप के सदस्य अशोक पालगोता और उनकी टीम ने रोचक प्रस्तुति दी। इस मौके पर अनेक गणमान्य व्यक्तियों का सम्मान किया गया। तेरापंथ सभा के मंत्री उमराव सिंह बैद ने धन्यवाद दिया। संचालन केसरीचंद गोलछा ने किया।

मुनिश्री मलयप्रभसागर व हर्षपूर्णाश्री का कृतज्ञता ज्ञापन समारोह आयोजित

पदाधिकारियों व श्रद्धालुओं ने व्यक्त की कृतज्ञता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के जिन कुशलसूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुड़ी के तत्वावधान में चातुर्मास सम्पन्न करने पर मुनि मलयप्रभसागरजी एवं साध्वी हर्षपूर्णा जी का दादावाड़ी ट्रस्ट की ओर से कृतज्ञता ज्ञापन समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुनि मलयप्रभसागरजी ने यह चातुर्मास युवा्वर्ग को धर्म से जोड़ने के लिए रहा और अनेक युवाओं ने स्वाध्याय, सामायिक और अनेक धार्मिक अनुष्ठानों में आगे आकर रुचि दिखाई।साध्वी हर्षपूर्णाश्री जी ने ट्रस्ट मंडल को बहुत ही अच्छी वैयावच्च सेवा हेतु साधुवाद दिया। उन्होंने कहा कि भविष्य में भी ट्रस्ट मंडल इसी तरह सेवा में जुडकर देशभर में अपनी अलग ही पहचान बनाए रखे। दादावाड़ी ट्रस्ट के अध्यक्ष तेजराज मालानी ने सकल संघ की ओर से संतों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि मलयप्रभसागरजी आदि ने चातुर्मास के दौरान उच्च अध्ययन करते हुए ज्ञान, ध्यान, स्वाध्याय की आराधना करवाई। संघवी तेजराज गुलेच्छा ने कहा कि इतनी छोटी वय में भी उन्होंने इतनी श्रुतज्ञान की आराधना की है।

महामंत्री कुशलराज गुलेच्छा ने कहा कि साधु व साध्वियों ने चातुर्मास के दौरान सभी श्रद्धालुओं को आराधना से जोड़ा और अनेक अनुष्ठान सफलतापूर्वक करवाए। ट्रस्ट के प्रवक्ता अरविन्द कोठारी संतों के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित की। खरतरगच्छ संघ के महामंत्री राजेन्द्र गुलेच्छा ने संचालन करते हुए 'कृतज्ञ हैं हम गुरु आपके, आंखें भी हुई हैं नम' गीतिका प्रस्तुत की। ट्रस्ट के ललित डाकलिया ने कहा कि गुरुदेव हमें अंधकार से दूर करके प्रकाश की ओर ले जाते हैं और गुरु ही हमें जीवन में सही मार्ग पर चलने का मार्गदर्शन प्रदान करते हैं। इस अवसर पर श्री जिनकुशल सूरी जैन महिला संगीत मंडल के सदस्याओं ने सामूहिक विदाई गीतिका प्रस्तुत की। अनेक श्रद्धालुओं ने अपने भाव व्यक्त किए। इस अवसर पर संघ के उपाध्यक्ष तनसुखराज गुलेच्छा, पूर्व अध्यक्ष निर्भयलाल गुलेच्छा, कोषाध्यक्ष रनजीत ललवानी, संघवी विजयराज डोसी, धर्मेंद्र संकलेचा, पुखराज कवाड, कैलाश संकलेचा, पंकज बाफना, विकास खटोड़ सहित अनेक सदस्य उपस्थित थे।

गुरु दर्शन यात्रा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के विजयनगर के वर्धमान स्थानकवासी जैन युवा संघ द्वारा एक दिवसीय गुरु दर्शन यात्रा संघ का आयोजन किया जिसमें विजयनगर संघ, युवा संघ, महिला मंडल तथा बहू मंडल के सदस्यों ने भाग लिया। सदस्यों ने यात्रा के दौरान रामकोट में विराजित साध्वी सुधाकंवरजी, काचीगुड़ा में विराजित साध्वी जयश्रीजी, सिकंदराबाद में विराजित सुमंगलाश्रीजी, भोंगीर स्थित गुरु गणेश धाम में कर्नाटक गज केसरी, गणेशीलालजी के समाधि स्थल व कुलपाकजी महातीर्थ के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। इस यात्रा में युवा संघ के सदस्य शंकर दक, महावीर गुगलिया, महिला मंडल की अध्यक्ष किरणबाई भंडारी, मंत्री पवन रांका आदि ने व्यवस्था संभाली।

सीबी भंडारी पीयू कॉलेज में अंतर्राकॉलेजीय फेस्ट कॉन्फ्लूएन्स 2025' का आयोजन

विद्या मंदिर पीयू कॉलेज बना विजेता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के महावीर जैन शिक्षण संघ द्वारा शंकरपुरम में संचालित सीबी भंडारी जैन पीयू कॉलेज में बुधवार को 23वां वार्षिक अंतर्राकॉलेजीय फेस्ट कॉन्फ्लूएन्स–2025' का आयोजन किया। इस आयोजन में उद्योगपति व लेखक सुभाष गोपाल मुख्य अतिथि तथा भव्याश्री विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे। अतिथियों व कॉलेज के उपाध्यक्ष विमलचन्द खाटेड़, कोषाध्यक्ष अशोक भंडारी, प्राचार्य डॉ वीना रवि आदि ने दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम की शुरुआत की। इस वार्षिकोत्सव में 26 कॉलेजों के विद्यार्थियों ने भाग लिया तथा फेस्ट में आयोजित विभिन्न सांस्कृतिक व खेलकूद प्रतियोगिताओं में उत्साह से भाग लिया। इस फेस्ट में विद्या मंदिर इंडिपेन्डेन्ट पीयू कॉलेज ने चलित ट्रॉफी पर कब्जा किया। अतिथियों व पदाधिकारियों ने विजेता कॉलेजों को ट्रॉफी व प्रमाणपत्र वितरित किए। कॉलेज प्रबंधन की ओर से अतिथियों का सम्मान किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में विभिन्न कॉलेजों के विद्यार्थी शामिल हुए।

चातुर्मास में जो सीखा उसे अपने जीवन में उतारना चाहिए : साध्वी सोमयशा

यशवंतपुर तेरापंथ भवन में चातुर्मास सम्पन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के यशवंतपुर तेरापंथ भवन में साध्वी सोमयशाजी के चातुर्मास की पूर्णता पर मंगल भावना समारोह का आयोजन किया गया। इस मौके पर साध्वी सोमयशाजी ने कहा कि आज हमें गुरु कृपा से चातुर्मास समाप्ति पर प्रसन्नता की अनुभूति हो रही है। हमें अपने जीवन में पालतू और फालतू पर ध्यान देना चाहिए। फालतू का मतलब हमें बुराई की ओर ध्यान नहीं देना है, पालतू का मतलब अच्छी बातें सभी को स्वीकार करनी चाहिए। यशवंतपुर के श्रावक श्रविका समाज में संघनिष्ठा, गुरु निष्ठा बहुत अच्छी है। साध्वी सरलयशा जी ने कहा की चातुर्मास में जो सीखा है वो अपने जीवन में उतारना चाहिए और आध्यात्मिक क्षेत्र मे आगे बढ़ना चाहिए। साध्वी ऋषिप्रभा जी ने कहा कि संस्कारों के सम्पदा को पीढ़ी दर पीढ़ी आगे बढ़ाना है।

सभा के अध्यक्ष सुरेश बरड़िया ने सभी का स्वागत करते हुए साध्वियों के प्रति सभी संस्थाओं की ओर से कृतज्ञता ज्ञापित की। गुरुदेव के निर्देशानुसार साध्वियां के तमिलनाडु की ओर विहार के लिए मंगल भावनाएं दी। सभा, तेयुप, महिला मण्डल व कन्या मण्डल की ओर से रोचक प्रस्तुति दी। उपासक महेन्द्र दक ने स्व रचित गीतिका का संगान किया। इस मौके पर अणुव्रत समिति के अध्यक्ष ललित बाबेल, राजाजीनगर से सभा अध्यक्ष अशोक चौधरी, मंत्री चंद्रेश मांडोत, यशवंतपुर सभा के पूर्व अध्यक्ष प्रकाश बाबेल, सभा के उपाध्यक्ष विजयराज बरड़िया, ताराचन्द गन्ना, तेयुप के अध्यक्ष धर्मेश डूंगरवाल, मंत्री अभिषेक आदि ने अपनी मंगल भावनाए व्यक्त की। दूसरे चरण में इस चातुर्मास काल मे भी अठाई व उससे ज्यादा की तपस्या, एकासन करने वाले तपस्वियों का सम्मान किया। विक्रम दुगड़ ने ज्ञानवर्धक प्रश्न मंच का आयोजन किया। सभा के सहमंत्री सुनील बाबेल ने संचालन किया।

हैदराबाद: नशे की हालत में ऑटो-रिक्शा चलाते पकड़ा गया चालक, थाने के पास किया आत्मदाह

हैदराबाद/भाषा। हैदराबाद में ऑटो रिक्शा के एक चालक ने नशे की हालत में वाहन चलाते पकड़े जाने के बाद यातायात थाने के पास कथित तौर पर आत्मदाह कर लिया। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, मंगलवार रात करीब 10 बजकर 20 मिनट पर कुशाईगुडा यातायात थाने के पास पहुंचे ऑटो रिक्शा चालक (32) ने खुद पर पेट्रोल छिड़कने के बाद आग लगा ली। पुलिस ने बताया कि कुछ स्थानीय निवासियों ने इस घटना को देखकर यातायात कर्मियों और 108 एम्बुलेंस सेवा को सूचित किया तथा उसे तुरंत सरकारी अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान बुधवार सुबह उसकी मौत हो गई।

पुलिस ने बताया कि मंगलवार रात साढ़े आठ बजे कुशाईगुड़ा यातायात पुलिस ने ऑटो–रिक्शा चालक को रोका। वह कथित तौर पर शराब के नशे में रिक्शा चलाते हुए पाया गया और जिसके बाद पुलिस ने तिपहिया वाहन को सुरक्षा के लिहाज से कब्जे में ले लिया। यातायात पुलिस ने चालक से कहा कि वे वाहन केवल उसके किसी परिचित को ही सौंपेंगे। पुलिस ने प्रारंभिक जांच के आधार पर बताया कि चालक शराब पीने का आदी था और आर्थिक तंगी से जूझ रहा था। उसने एक परिचित व्यक्ति से ऑटो–रिक्शा किराए पर लिया था। पुलिस के अनुसार, ऑटो–रिक्शा मालिक द्वारा गाड़ी मांगे जाने से परेशान होने के बाद उसने यह कदम उठाया।

जम्मू-कश्मीर में शांति स्थापित करने के लिए पिछले पांच सालों में बड़ी कुर्बानी दी गई : सिन्हा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

श्रीनगर/भाषा। जम्मू–कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने बुधवार को कहा कि इस केंद्र शासित प्रदेश को शांतिपूर्ण, प्रगतिशील और समृद्ध बनाने के लिए पिछले पांच वर्षों में बहुत बड़ी कुर्बानी दी गई है। उन्होंने इसी के साथ समाज के सभी वर्गों से शांति भंग करने का प्रयास करने वाले तत्वों के खिलाफ एकजुट होकर काम करने का आह्वान किया।

सिन्हा गैर–लाभकारी संगठन विश्वग्राम द्वारा 'जम्मू और कश्मीर केंद्र शासित प्रदेश में शांति, लोग और संभावनाएं' विषय पर आयोजित दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी को बतौर मुख्य वक्ता संबोधित कर रहे थे। उपराज्यपाल ने अपने संबोधन में जम्मू–कश्मीर के एक नए दृष्टिकोण के बारे में बात की, जो शांतिपूर्ण, भयमुक्त, समृद्ध, एकजुट हो और जिसमें प्रत्येक नागरिक सशक्त हो तथा भारत की प्रगति से प्रभावित हो। उन्होंने रेखांकित किया कि जम्मू–कश्मीर आज जहां है, वहां तक लाने के लिए पिछले पांच वर्षों में बड़ी कुर्बानी दी गई है। उप राज्यपाल ने कहा, ''आज जम्मू–कश्मीर में जो शांति दिखाई दे रही है, उससे सभी लोग परस्पर सम्मान के साथ फल–फूल रहे हैं और सभी को सम्मानजनक जीवन जीने का समान अवसर मिल रहा है। शांति का प्रभाव, बेहतर कल के लिए लोगों के प्रयास और बिना किसी भेदभाव के सभी के लिए अपार संभावनाओं के रूप में देखी जा सकती हैं।'' सिन्हा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में जनता–प्रथम, सामाजिक न्याय और समानता के सिद्धांतों का पालन किया गया है, जिससे लोगों और जम्मू–कश्मीर दोनों के जीवन में बदलाव आया है।

उपराज्यपाल ने आतंकवादी पारिस्थितिकी तंत्र को नष्ट करने के अपने संकल्प को दोहराते हुए शांति, न्याय और समानता बनाए रखने की प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने कहा, ''हम सामाजिक–आर्थिक विकास को मजबूत करने और अपने युवाओं के सपनों को हकीकत में बदलने के लिए प्रतिबद्ध हैं।'' सिन्हा ने कहा कि गत पांच वर्षों के भीतर सुरक्षा बलों और जम्मू–कश्मीर पुलिस ने एक ऐसा जम्मू–कश्मीर बनाया है, जिसमें गोलियों और ग्रेनेड की आवाज की जगह शांति की आवाज गूंज रही है।

छत्तीसगढ़ नक्सलवाद को सफलतापूर्वक खत्म कर रहा, माओवादी समर्पण करें : उपराष्ट्रपति

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रायपुर/भाषा। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने पिछले 25 सालों में छत्तीसगढ़ में हुए बदलाव की तारीफ करते हुए बुधवार को कहा कि इसने सबसे आशाजनक और प्रगतिशील राज्यों में शामिल होने तक की बहुत ही असाधारण यात्रा तय की है। उन्होंने यह भी कहा कि अब राज्य नक्सलवाद को सफलतापूर्वक खत्म कर रहा है।

राधाकृष्णन ने नक्सलियों से हिंसा छोड़कर मुख्यधारा में शामिल होने का भी अनुरोध किया। नवा रायपुर अटल नगर में छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना के पांच दिवसीय समारोह, 'छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव' के समापन समारोह को संबोधित करते हुए राधाकृष्णन ने कहा, ''गर्व है कि अब हम नक्सलवाद को खत्म कर रहे हैं, जिसने लंबे समय से राज्य के विकास में बाधा डाली है। शांति बहुत ज़रूरी है। शांति के बिना कोई विकास नहीं हो सकता।'' उन्होंने माओवादियों से हिंसा छोड़ने और मुख्यधारा में शामिल होने की अपील करते हुए कहा, ''मैं सभी नक्सलियों से हथियार छोड़ने और प्रशासन के सामने समर्पण करने की अपील करता हूं।''

उपराष्ट्रपति ने कहा कि केंद्रीय सुरक्षा बलों और राज्य पुलिस बलों के अथक प्रयासों, केंद्र और राज्य सरकारों की प्रतिबद्धता और स्थानीय समुदायों के सक्रिय सहयोग से, उन क्षेत्रों में शांति और स्थिरता बहाल हो गई है जो कभी हिंसा से प्रभावित थे।

प्रवासी उत्तराखंडी हमारे सच्चे 'ब्रांड एंबेसडर': मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

देहरादून/भाषा। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बुधवार को प्रवासी उत्तराखंडियों को प्रदेश का सच्चा 'ब्रांड एंबेसडर' बताया और उनसे राज्य के विकास अभियान में भागीदार बनने का आह्वान किया ।

उत्तराखंड स्थापना के रजत जयंती उत्सव के तहत आयोजित प्रवासी उत्तराखंडी सम्मेलन को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रवासी उत्तराखंडी प्रदेश की संस्कृति, परंपराओं और मातृभूमि के गौरव को नई ऊंचाइयों तक पहुंचा रहे हैं और वे प्रदेश के सच्चे 'ब्रांड एम्बेसडर' हैं। उन्होंने कहा कि प्रवासी उत्तराखंडी जहां भी रहते हैं, अपने साथ देवभूमि की संस्कृति और अपनी मिट्टी की सुगंध लेकर चलते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने प्रवासी उत्तराखंड परिषद का गठन इसी उद्देश्य से किया है ताकि उनके सुझाव और अनुभव राज्य के विकास की मुख्यधारा में शामिल किए जा सकें। इस संबंध में उन्होंने कहा कि प्रदेश के अनेक प्रवासी स्वयं अपने गांवों को गोद लेकर विकास में योगदान दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार विकसित भारत, विकसित उत्तराखंड के लक्ष्य की दिशा में निरंतर आगे बढ़ रही है और शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, खेल, पेयजल, पर्यटन, ऊर्जा और हवाई संपर्क सहित सभी क्षेत्रों में राज्य ने उल्लेखनीय प्रगति की है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सतत विकास लक्ष्यों में नीति आयोग की रैंकिंग में प्रदेश को प्रथम स्थान मिलना, ईज ऑफ डूइंग बिजनेस में एचीवर्स तथा स्टार्टअप रैंकिंग में लीडर्स श्रेणी प्राप्त होना राज्य के सुनियोजित प्रयासों का परिणाम है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार सांस्कृतिक मूल्यों और जनसांख्यिकीय संतुलन को बनाए रखने के लिए भी पूरी तरह प्रतिबद्ध है। धामी ने कहा कि चार वर्षों में 26 हजार से अधिक युवाओं को सरकारी नौकरी दी गयी है जबकि 200 से अधिक भ्रष्टाचारियों को जेल भेजा गया है। उन्होंने कहा, राज्य सरकार का लक्ष्य है कि स्वर्ण जयंती वर्ष तक उत्तराखंड ऐसा राज्य बने जहां हर युवा को सम्मानजनक रोजगार मिले, पलायन रुके और प्रवासियों की गौरवपूर्ण वापसी हो।

मुख्यमंत्री ने प्रवासी उत्तराखंडियों से आह्वान किया कि वे भी राज्य के इस विकास अभियान में भागीदार बनें। राज्य के मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन ने कहा कि सशक्त और समृद्ध उत्तराखंड के संकल्प के साथ शासन, प्रशासन एवं जनभागीदारी से राज्य आगे बढ़ रहा है।

सिद्दरामय्या ने आयोग पर लोकतांत्रिक व्यवस्था का 'गला घोंटने' के लिए केंद्र के साथ मिलीभगत का आरोप लगाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने हरियाणा मतदाता सूची में 25 लाख फर्जी नाम डालने के कांग्रेस नेता राहुल गांधी के दावों का बुधवार को हवाला देते हुए निर्वाचन आयोग पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत केंद्र सरकार के साथ मिलकर उस लोकतांत्रिक व्यवस्था का ''गला घोंटने'' का आरोप लगाया जिसकी रक्षा करने का दायित्व आयोग पर है।

मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार से भी कहा कि वे अपने आकाओं को बचाने की कोशिश न करें और सच्चाई स्वीकार करें। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने बुधवार को दावा किया कि पिछले साल हुए हरियाणा विधानसभा चुनाव में 25 लाख फर्जी मतों के जरिये चुनाव चोरी किया गया। उन्होंने यह आरोप भी लगाया कि निर्वाचन आयोग ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के साथ साठगांठ करके ''वोट चोरी'' करवाई है।

सिद्दरामय्या ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने एक बार फिर भारत की चुनाव प्रणाली में व्यवस्थित चुनावी कदाचार का काला चेहरा उजागर किया है।'' उन्होंने कहा कि कर्नाटक के महादेवपुरा और अलंद विधानसभा क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर मतदाता धोखाधड़ी का खुलासा करने के बाद, गांधी ने अब दस्तावेजी सबूत पेश किए हैं, जिनसे पता चलता है कि हरियाणा में पूरे चुनाव परिणाम में किस तरह हेरफेर किया गया।

उन्होंने कहा, ये रिकॉर्ड दर्शाते हैं कि निर्वाचन आयोग, जिस पर पारदर्शी और निष्पक्ष चुनावों के माध्यम से लोकतंत्र की रक्षा करने की जिम्मेदरी है, उसने इसके बजाय केंद्र सरकार के साथ मिलकर उसी लोकतांत्रिक प्रणाली का गला घोंट दिया है, जिसकी रक्षा करने का दायित्व उस पर है। इससे पहले दिन में गांधी ने नयी दिल्ली में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित किया, जिसमें उन्होंने अपने दावों के समर्थन में एक प्रस्तुति दी।

राहुल गांधी ने दावा किया कि ब्राजील की एक मॉडल की तस्वीर का इस्तेमाल करके हरियाणा में 10 बूथ पर 22 अलग अलग-अलग नाम से फर्जी मतदाता बनाए गए थे। उन्होंने कथित फर्जी मतदाताओं के कुछ और उदाहरण भी दिए। कांग्रेस नेता ने दावा किया कि निर्वाचन आयोग और भाजपा की मिलीभगत से चुनाव चोरी किया गया। गांधी ने आरोप लगाया कि हरियाणा की भाजपा सरकार वैध नहीं है।

सिद्दरामय्या ने कहा कि महाराष्ट्र और कर्नाटक विधानसभा चुनावों में भाजपा और निर्वाचन आयोग ने भारतीय नागरिकों की पहचान का इस्तेमाल करके फर्जी मतदाता बनाए थे। उन्होंने कहा कि हरियाणा में तो वे एक कदम और आगे बढ़ गए, यहां तक कि मतदाता धोखाधड़ी के लिए ब्राजीलियाई मॉडल की पहचान का इस्तेमाल किया, जो उनकी बेशर्मी का प्रमाण है। उन्होंने कहा, इस बार, भारत की लोकतांत्रिक प्रतिष्ठा को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर निश्चित रूप से शर्मसार होना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि पांच लाख से अधिक फ़र्ज़ी मतदाता बनाए गए और छेड़छाड़ की गई या पहचान नहीं हो पाने वाली तस्वीरों का इस्तेमाल करके एक लाख से अधिक वोट चुराए गए। उन्होंने कहा, हरियाणा विधानसभा चुनावों में कुल मिलाकर 25 लाख से अधिक फ़र्ज़ी वोट डाले गए – यानी हर आठ में से एक वोट फ़र्ज़ी था।

उन्होंने कहा कि लगभग हर चुनाव-पूर्व सर्वेक्षण ने हरियाणा में भाजपा की हार का पूर्वानुमान जताया था और जनता भाजपा सरकार को उखाड़ फेंकने के लिए दृढ़ थी। मुख्यमंत्री ने कहा कि गांधी ने अब स्पष्ट रूप से बताया है कि भाजपा फिर भी बहुमत कैसे हासिल कर पाई और सरकार कैसे बना पाई।

उन्होंने कहा, मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार, जो सवालों से बचते रहे, आरोपों से इनकार करते रहे और यहां तक कि आरोप लगाने वालों से शपथपत्र देने की बेतुकी मांग भी करते रहे, को कम से कम इस बार अपने आकाओं को बचाने की कोशिश करने से बचना चाहिए। उन्हें सच्चाई स्वीकार करनी चाहिए और अपने गलत कृत्य का कानूनी प्रक्रिया के जरिए प्रायश्चित करना चाहिए। इससे पहले, राहुल गांधी ने बीते 18 सितंबर को दावा किया था कि मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार ''लोकतंत्र की हत्या करने वालों'' तथा ''वोट चोरों'' की रक्षा कर रहे हैं।

उन्होंने यह भी कहा था कि ज्ञानेश कुमार को ऐसे लोगों को संरक्षण देना बंद करना चाहिए। निर्वाचन आयोग ने उनके आरोपों को निराधार बताया था।

दपरे के महाप्रबंधक द्वारा रानीबेन्नूर रेलवे स्टेशन का निरीक्षण और नवनिर्मित रेलवे क्वार्टरों का उद्घाटन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हुब्बल्ली। यहां दक्षिण पश्चिम रेलवे (दपरे) के महाप्रबंधक मुकुल सरन माथुर ने 5 नवंबरको अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत रानीबेन्नूर रेलवे स्टेशन का निरीक्षण किया। उनके साथ प्रधान मुख्य परिचालन प्रबंधक प्रशांत कुमार, प्रधान मुख्य अभियंता सी. एम. गुप्ता, मैसूरु मंडल के मंडल रेल प्रबंधक मुदित मित्तल आदि उपस्थित थे।

निरीक्षण के दौरान, महाप्रबंधक ने रानीबेन्नूर स्टेशन पर अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत यात्री सुविधाओं के उन्नयन और स्टेशन के बुनियादी ढांचे में सुधार के उद्देश्य से चल रहे विकास कार्यों की समीक्षा की। खंड में ट्रैक की स्थिति, सुरक्षा मानकों और समग्र परिचालन दक्षता का आकलन करने के लिए रानीबेन्नूर-चिकजाजूर और चिकजाजूर-मोलकलमुरु खंडों के बीच एक विंडो ट्रैलिंग निरीक्षण भी किया गया। इस यात्रा के दौरान, महाप्रबंधक ने सासालू से एक लौह अयस्क मालगाड़ी को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया, जो इस खंड की परिचालन दक्षता और माल ढुलाई क्षमता का प्रतीक है। यह पहल क्षेत्रीय आर्थिक विकास को बढ़ावा देने और रेलवे राजस्व बढ़ाने में माल ढुलाई के महत्व को रेखांकित करती है।

भाजपा ने कर्नाटक में किसान आंदोलन पर राहुल गांधी की 'चुप्पी' पर सवाल उठाए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक में विपक्षी भाजपा ने बुधवार को गन्ना किसानों के आंदोलन पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी की चुप्पी पर सवाल उठाते हुए सरकार से उनकी उपज का मूल्य 3,500 रुपये प्रति टन तय करने की मांग की।

वरिष्ठ भाजपा नेता और विपक्ष के नेता आर अशोक ने राहुल गांधी से पूछा, ''कर्नाटक के किसानों के लिए किसान न्याय कहां है?'' उन्होंने राज्य की कांग्रेस सरकार पर ''किसान विरोधी'' होने का आरोप लगाया। विभिन्न किसान संगठनों, विपक्षी भाजपा, छात्रों और अन्य लोगों ने किसानों के विरोध प्रदर्शन का समर्थन किया, जो बेलगावी, बागलकोट, हावेरी जैसे उत्तरी कर्नाटक के कई जिलों में हो रहा है। मंगलवार को बेलगावी में प्रदर्शनकारी किसानों के साथ शामिल हुए प्रदेश भाजपा अध्यक्ष विजयेंद्र येडीयुरप्पा ने रात भर जारी आंदोलन में हिस्सा लिया। किसान नेताओं ने विजयेंद्र को बधाई दी, जिनका बुधवार को जन्मदिन है।

अशोक ने पूछा, ''अगर राहुल गांधी का दिल सचमुच किसानों के लिए धड़कता है, तो वह उस समय चुप क्यों हैं जब कर्नाटक के गन्ना किसानों को लगातार छह दिन तक राजमार्ग अवरुद्ध करने के लिए मजबूर होना पड़ा है?''

उन्होंने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''करीब 26 चीनी मिल बंद हो गईं। सड़कें और राजमार्ग अवरुद्ध हो गए। बाजार, स्कूल और व्यवसाय बंद हो गए। किसान सरकार से बातचीत की गुहार लगा रहे हैं। लेकिन कांग्रेस आलाकमान बिहार में चुनाव प्रचार में व्यस्त है।''

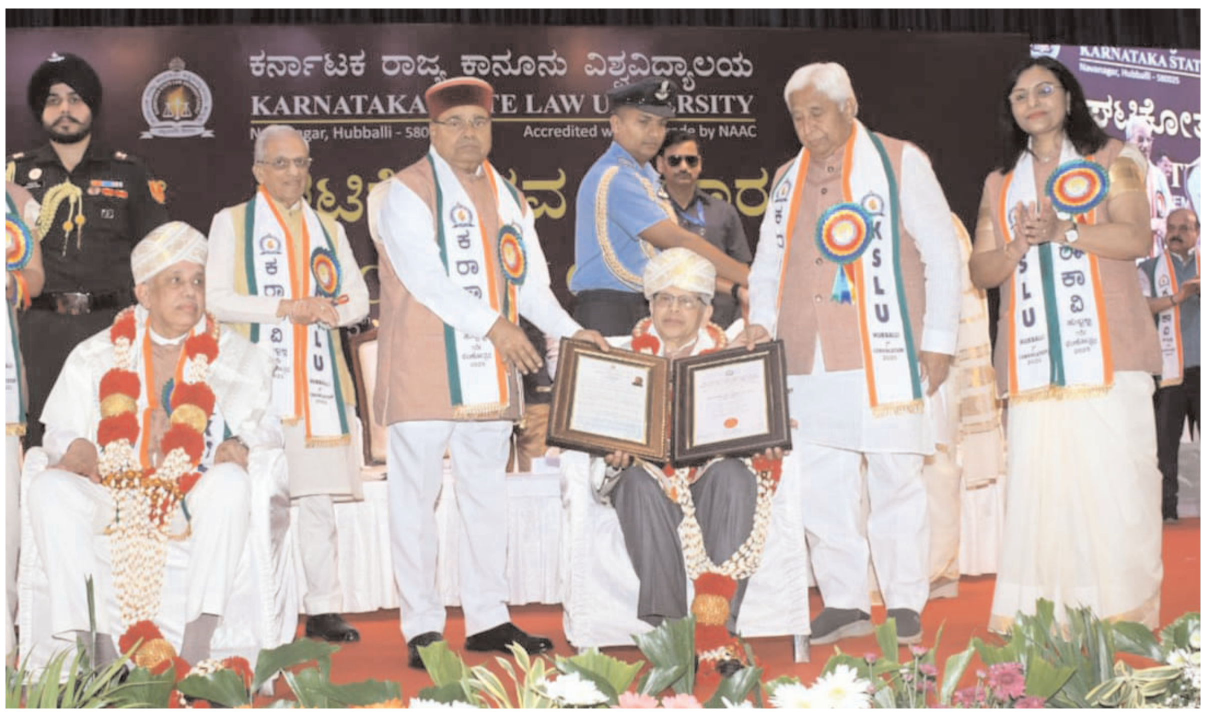

कानून के छात्रों को वैश्विक तकनीकी और सामाजिक चुनौतियों से आगे रहना चाहिए : राज्यपाल गहलोत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हुब्बल्ली। दुनिया डिजिटल क्रांति, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, साइबर कानून, डेटा संरक्षण और अंतर्राष्ट्रीय न्याय के क्षेत्र में तेजी से बदलाव देख रही है।

इस संदर्भ में, कानून के छात्रों के लिए न केवल पारंपरिक कानूनी अध्ययन में दक्षता हासिल करना, बल्कि समकालीन तकनीकी और वैश्विक चुनौतियों को समझना भी महत्वपूर्ण है, कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने कहा। वह बुधवार को हुब्बल्ली स्थित कर्नाटक राज्य विधि विश्वविद्यालय के 7वें दीक्षांत समारोह में अध्यक्षीय भाषण दे रहे थे। राज्यपाल ने इस बात पर ज़ोर दिया कि न्याय तक पहुँच हर नागरिक का मौलिक अधिकार है और इस लक्ष्य को प्राप्त करने में आधुनिक तकनीक की अहम भूमिका है। उन्होंने कहा, ई-कोर्ट, ऑनलाइन कानूनी सहायता और डिजिटल कानूनी शिक्षा जैसी पहल न्याय प्रणाली को पारदर्शी, कुशल और सुलभ बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं। न्याय प्रणाली को मज़बूत बनाने के लिए विधि के छात्रों को इन नवाचारों से सक्रिय रूप से जुड़ना चाहिए।

पिछले डेढ़ दशक में कर्नाटक राज्य विधि विश्वविद्यालय की प्रगति की प्रशंसा करते हुए, उन्होंने शैक्षणिक उत्कृष्टता, अनुसंधान, सामाजिक जुड़ाव और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग में इसके योगदान का उल्लेख किया। उन्होंने कहा, अनुसंधान और क्षमता निर्माण के लिए राष्ट्रीय और वैश्विक संस्थानों के साथ विश्वविद्यालय की साझेदारी, और कानूनी शिक्षा के माध्यम से शांति और सद्भाव को बढ़ावा देने में इसकी भूमिका सराहनीय है।

इस अवसर पर, कर्नाटक राज्य विधि विश्वविद्यालय (केएसएलयू) ने बुधवार को आंध्र प्रदेश के राज्यपाल एस. अब्दुल नजीर को डॉक्टरेट की मानद उपाधि प्रदान की। राज्यपाल को धारवाड़ स्थित कृषि विज्ञान विश्वविद्यालय के कृषक ज्ञान केन्द्र में आयोजित विश्वविद्यालय के सातवें दीक्षांत समारोह के दौरान ''डॉक्टरेट ऑफ लॉ'' की मानद उपाधि से सम्मानित किया गया।

कर्नाटक के राज्यपाल और केएसएलयू के कुलाधिपति थावरचंद गहलोत ने नजीर को यह शैक्षणिक सम्मान प्रदान किया। इस कार्यक्रम में संसदीय कार्य और विधायी मामलों के मंत्री एच. के. पाटिल भी उपस्थित थे, जो विश्वविद्यालय के प्रो-चांसलर भी हैं। सर्वोच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश डॉ. शिवराज वी. पाटिल, कुलपति प्रो. डॉ. सी. बसवराजू, संकाय सदस्य, छात्र और गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

भागलपुर से एसएमवीटी बेंगलूरु अनारक्षित एकतरफा विशेष ट्रेन

बेंगलूरु। दक्षिण पश्चिम रेलवे से प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार पूर्वी रेलवे ने यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को कम करने के लिए ट्रेन संख्या 03403 भागलपुर – एसएमवीटी बेंगलूरु अनारक्षित एकतरफा विशेष ट्रेन चलाने का निर्णय लिया है। यह ट्रेन संख्या 03403 भागलपुर – एसएमवीटी बेंगलूरु अनारक्षित वन-वे एक्सप्रेस स्पेशल शुक्रवार 7 नवंबर को 22.30 बजे भागलपुर से रवाना होगी और तीसरे दिन 22.30 बजे एसएमवीटी बेंगलूरु पहुंचेगी। इस ट्रेन में 20- सामान्य द्वितीय श्रेणी कोच, 2-द्वितीय श्रेणी कोच (दिव्यांगजन अनुकूल) कोच होंगे।

मुजफ्फरपुर-यशवंतपुर और एसएमवीटी बेंगलूरु-मुजफ्फरपुर के बीच विशेष ट्रेनें : छठ पर्व के बाद यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को कम करने के लिए, पूर्व मध्य रेलवे ने मुजफ्फरपुर-यशवंतपुर और एसएमवीटी बेंगलूरु-मुजफ्फरपुर के बीच प्रत्येक दिशा में दो फेरों के लिए विशेष एक्सप्रेस ट्रेनों के संचालन की अधिसूचना जारी की है। ट्रेन संख्या 05545 मुजफ्फरपुर-यशवंतपुर एक्सप्रेस स्पेशल 11 और 12 नवंबर (मंगलवार और बुधवार) को मुजफ्फरपुर से रात 9:15 बजे प्रस्थान करेगी और संबंधित गुरुवार और शुक्रवार को रात 11:50 बजे यशवंतपुर पहुँचेगी। वापसी दिशा में, ट्रेन नंबर 05546 एसएमवीटी बेंगलूरु-मुजफ्फरपुर एक्सप्रेस स्पेशल एसएमवीटी बेंगलूरु से दोपहर 3:50 बजे प्रस्थान करेगी। 14 और 15 नवंबर (शुक्रवार और शनिवार) को, और रविवार और सोमवार को शाम 7:00 बजे मुजफ्फरपुर पहुंचेंगे। इन ट्रेनों में भी 22 कोच होंगे।

कर्नाटक को भारत की कौशल राजधानी बनाना ही सरकार का मिशन : सिद्दरामय्या

बेंगलूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने मंगलवार को कहा कि उनकी सरकार का लक्ष्य 'प्रतिभा, तकनीक और दृढ़ता' के बल पर कर्नाटक को 2032 तक भारत की कौशल राजधानी और एक हजार अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाना है। उन्होंने कहा कि राज्य ने 2032 तक 30 लाख युवाओं को कौशल प्रदान करने, आईटीआई में महिलाओं के नामांकन को 33 प्रतिशत तक बढ़ाने, जिला स्तर पर कौशल क्षमता को दोगुना करने और अंतरराष्ट्रीय प्रवासन केंद्र-कर्नाटक (आईएमसी-के) के माध्यम से वैश्विक प्लेसमेंट संबंधों को मजबूत करने के महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किए हैं। यहां बेंगलूरु कौशल शिखर सम्मेलन 2025 के उद्घाटन के अवसर पर सिद्दरामय्या ने यह बात कही।

दक्षिण पश्चिम रेलवे
निविदा सूचना
कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से दक्षिण पश्चिम रेलवे के वरिष्ठ मंडल वाणिज्यिक प्रबंधक, बंगलौर डिविजन द्वारा बेंगलुरू डिविजन में हनाकेरे स्टेशन पर रेलवे भूमि पर या तो पूर्णतः या अंशतः गति शक्ति मल्टी-मॉडल कॉर्गो टर्मिनल्स (जीसीटी) के विकास के लिए आईआरईपीएस पर निविदाताओं को आमंत्रित करते हैं।
निविदाएँ जमा करने की अंतिम तिथि 28.11.2025 को 15.00 बजे तक
विस्तृत विवरणों के लिए लॉग ऑन करें www.ireps.gov.in
वरिष्ठ मंडल वाणिज्यिक प्रबंधक, बेंगलुरू
PUB/615/AAD360/PRB/SWR/2025-26
अनारक्षित टिकटों की बुकिंग में आसानी के लिए Google Play Store से UTS मोबाइल ऐप डाउनलोड करें।
South Western Railway - SWR SWRRLY @SWRAILWAYHQ @sw_railways

दक्षिण पश्चिम रेलवे
निविदा सूचना सं. सीओएमएमएल/एमआईएस/10/2025 एवं सीओएमएमएल/एमवाईएस/11/2025 दिनांक 28.10.2025 का प्रकाशन
भारत के राष्ट्रपति की ओर से अधोहस्ताक्षरी निम्नलिखित कार्यों के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित करते हैं।

क्र.सं.	कार्य की मद
1.	मैसूर डिविजन के भीतर चिक्कजाजुर एवं दावणगेरे सेक्शन के बीच स्थित हनुमान हल्लि हॉल्ट स्टेशन पर पांच वर्षों की अवधि के लिए हॉल्ट एजेंट की नियुक्ति हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है।
2.	मैसूर डिविजन के भीतर शिमोग्गा एवं तालगुप्पा सेक्शन के बीच स्थित अर्सुला हल्लि हॉल्ट स्टेशन पर पांच वर्षों की अवधि के लिए हॉल्ट एजेंट की नियुक्ति हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है।

निविदाएँ जमा करने की अंतिम तिथि 08.12.2025 को 15.00 बजे तक
विस्तृत विवरणों के लिए लॉग ऑन करें www.ireps.gov.in
वरिष्ठ मंडल वाणिज्यिक प्रबंधक, मैसूर
PUB/613/AAD360/PRB/SWR/2025-26
अनारक्षित टिकटों की बुकिंग में आसानी के लिए Google Play Store से UTS मोबाइल ऐप डाउनलोड करें।
South Western Railway - SWR SWRRLY SWRRLY

साई बाबा जन्म शताब्दी

140 देशों के भक्त एकत्रित होंगे, उपराष्ट्रपति-प्रधानमंत्री भी होंगे शामिल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/पुट्टपर्थी (आन्ध्रप्रदेश)। पुट्टपर्थी में श्री सत्य साई बाबा का जन्म शताब्दी समारोह 13 से 24 नवंबर तक आयोजित किया जा रहा है, जिसमें करीब 140 देशों के भक्त एकत्रित होंगे। इस कार्यक्रम में उपराष्ट्रपति सी पी राधाकृष्णन और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भी भाग लेंगे। आयोजन में शामिल होने वाले बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के लिए निःशुल्क भोजन और ठहरने की व्यापक व्यवस्था की जा रही है, जिसमें अस्थायी आश्रय भी शामिल हैं। प्रधानमंत्री के कार्यक्रम स्थल का भी समारोह के लिए पुनर्विकास किया जा रहा है।

श्री सत्य साई सेंट्रल ट्रस्ट के प्रबंध न्यासी आर जे रत्नाकर ने बताया कि भक्त इस अवसर का उपयोग साई मिशन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराने के लिए कर रहे हैं, जिसका सार है : ''सभी से प्रेम करो, सभी की सेवा करो।'' उन्होंने 'पीटीआई-भाषा' से कहा कि सभी साई भक्त और अनुयायी इस अवसर पर सेवा के मिशन के लिए खुद को पुनः समर्पित कर रहे हैं ताकि मानवता के बीच प्रेम और एकता फैले।

रत्नाकर ने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी ने 19 नवंबर को शताब्दी समारोह के तहत श्री सत्य साई हिल व्यू स्टेडियम में आयोजित एक कार्यक्रम में शामिल होने की सहमति दी है। उन्होंने कहा कि यह 2011 में बाबा की महासमाधि के बाद सबसे बड़ा आयोजन है। 23 नवंबर भक्तों के लिए सबसे प्रतीक्षित दिन है।

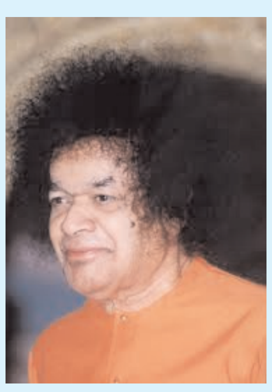

उन्होंने कहा कि सत्य साई उच्च शिक्षा संस्थान का 44वां दीक्षांत समारोह 22 नवंबर को आयोजित होगा, जिसके मुख्य अतिथि उपराष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन होंगे। ट्रस्ट प्रधानमंत्री की यात्रा के दौरान अपनी अगली योजनाओं का अनावरण करने की योजना बना रहा है।

रत्नाकर ने बताया कि भारत सरकार ने बाबा के सम्मान में एक स्मारक डाक टिकट और एक स्मारक 100 रुपये का सिक्का जारी करने पर सहमति दी है जो 19 नवंबर को प्रधानमंत्री मोदी द्वारा जारी किए जाने की संभावना है।

बोम्मई का सिद्दरामय्या से गन्ना किसानों को 3,500 रु प्रति टन मूल्य सुनिश्चित करने का आग्रह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता बसवराज बोम्मई ने बुधवार को मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या से तत्काल हस्तक्षेप करने और यह सुनिश्चित करने का आग्रह किया कि गन्ना किसानों को उनकी मांग के अनुसार 3,500 रुपये प्रति टन का खरीद मूल्य मिले। बोम्मई ने सुझाव दिया कि चीनी मिलों को 3,300 रुपये प्रति टन का भुगतान करना चाहिए, जबकि राज्य सरकार को किसानों की मांग पूरी करने के लिए 200 रुपये प्रति टन का योगदान देना चाहिए।

बोम्मई ने आरोप लगाया कि कई मंत्रियों के चीनी कारोबार में निहित स्वार्थ हैं और उन्होंने मुख्यमंत्री से स्वयं हस्तक्षेप करके इस मुद्दे को सुलझाने का आग्रह किया। उत्तरी कर्नाटक के कुछ हिस्सों में गन्ना उत्पादक लगातार सातवें दिन भी खरीद मूल्य में वृद्धि की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। उत्तरी कर्नाटक के बेलगावी, बागलकोट, हावेरी आदि जिलों में फैले किसानों के इस विरोध प्रदर्शन को विभिन्न किसान संघों, संगठनों, विपक्षी भाजपा, छात्रों आदि का समर्थन प्राप्त है। आंदोलनकारी किसानों ने मंगलवार को बेलगावी क्षेत्र में कुछ प्रमुख मार्गों को कथित तौर पर अवरुद्ध कर दिया था।

बोम्मई ने एक बयान में कहा, मैंने मुख्यमंत्री से गन्ने का मूल्य 3,500 रुपये प्रति टन तय करने का पहले ही आग्रह किया है। हालांकि, मुख्यमंत्री किसानों के प्रति उदासीन प्रतीत होते हैं और अपने पद को बनाए रखने के राजनीतिक गुणा-भाग में व्यस्त हैं, जिससे उनके पास किसानों की समस्याओं का समाधान करने का समय नहीं है। उन्होंने कहा कि गन्ना किसानों को हर साल समस्याओं का सामना करना पड़ता है। कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री बोम्मई ने कहा, केंद्र सरकार द्वारा एफआरपी (उचित और लाभकारी मूल्य) तय करने के बाद, चीनी मिल इथेनॉल और बिजली जैसे उप-उत्पाद बनाती हैं, जिससे अतिरिक्त आय होती है। इसलिए, उनके लिए किसानों द्वारा मांगी गई कीमत का भुगतान करना संभव है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार के पास कानूनी तौर पर गन्ने का मूल्य तय करने का अधिकार है और उसे किसानों की मांग के अनुसार दर निर्धारित करने का आदेश जारी करना चाहिए। उन्होंने कहा कि सरकार इस मुद्दे को दो तरीकों से हल कर सकती है। हावेरी से सांसद ने कहा कि राज्य चीनी और अन्य उप-उत्पादों से लगभग 27,000 करोड़ रुपये कमाता है। उन्होंने कहा कि इसमें से सरकार को 200 रुपये प्रति टन और कारखाना मालिकों को 3,300 रुपये प्रति टन देना चाहिए। उन्होंने कहा, इस तरह, किसानों को कुल 3,500 रुपये प्रति टन मिल सकते हैं।

'सत्ता के नशे में राज्य सरकार का किसानों से व्यवहार खराब'

बेलगावी। किसानों के संघर्ष को लेकर पहले किसी भी राज्य सरकार ने इतना खराब व्यवहार नहीं किया; भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और विधायक विजयेंद्र येडीयुरप्पा ने आलोचना की है कि सरकार सत्ता के नशे में इतनी चूर हो गई है कि ऐसा कर रही है।

विजयेंद्र और उनके नेताओं ने गन्ना किसानों के संघर्ष के दौरान आत्महत्या का प्रयास करने वाले और बेलगावी के केएलई अस्पताल में आपातकालीन उपचार करा रहे किसान और उसके परिवार से मुलाकात की। विजयेंद्र ने मुख्यमंत्री से गन्ना किसानों के मुद्दे को गंभीरता से लेने का आग्रह किया। उन्होंने परिवार से इस पर ध्यान देने का आग्रह किया।

दक्षिण पश्चिम रेलवे
ई-निविदा सूचना सं. 33/एमवाईएस/2025 ऑफ 29.10.2025
भारत के राष्ट्रपति की ओर से अधोहस्ताक्षरी निम्नलिखित कार्यों के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित करते हैं।

क्र.सं	कार्य की मद	अनुमानित लागत
1.	उप-कार्य-1: मैसूर – मैसूर में डिविजन ऑफिस बिल्डिंग एप्रोच रोड और वीआईपी/आईसी साइडिंग रोड का सुधार। उप-कार्य-2 : मैसूर में ललिता स्कूल का सुधार। उप-कार्य-3 : डिविजनल रेलवे मैनेजर्स ऑफिस हेरीटेज बिल्डिंग का पुनर्वास ।	33734412
	कुल	33734412/-

निविदाएँ जमा करने की अंतिम तिथि : 21.11.2025 को 11.00 बजे तक
विस्तृत विवरणों के लिए लॉग ऑन करें www.ireps.gov.in
वरिष्ठ मण्डलीय अभियंता/समन्वय/मैसूरू
PUB/603/AAD360/PRB/SWR/2025-26
अनारक्षित टिकटों की बुकिंग में आसानी के लिए Google Play Store से UTS मोबाइल ऐप डाउनलोड करें।
South Western Railway - SWR SWRRLY @SWRAILWAYHQ @sw_railways

सिख धर्म ने मानवता और साहस की मिसाल पेश की : शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि गुरु नानक देव जी ने सभी को सत्य, प्रेम और मानवता का पाठ पढाया तथा जात-पात, ऊंच-नीच के भेद को नकारते हुए सभी को एक समान माना। शर्मा ने आमजन से आह्वान किया कि गुरु नानक देव जी के बताए हुए मार्ग को अपनाकर आमजन की सेवा व मानव उत्थान के लिए कार्य करें। शर्मा बुधवार को गुरु नानक देव जी के 556वें प्रकाश वर्ष के उपलक्ष्य में मानसरोवर स्थित गुरुद्वारे में श्रद्धालुओं को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने सभी को प्रकाश पर्व की बधाई देते हुए कहा कि गुरु नानक देव जी ने 'इक ओंकार सतनाम अर्थात एक ईश्वर, एक सत्य' का पांच सौ वर्ष पहले संदेश दिया था, वह आज भी समाज के लिए अमृत के समान है। उन्होंने कहा कि गुरु नानक देव जी ने लंगर के माध्यम से समानता और मानवता का सबसे बड़ा उदाहरण पेश किया। उनका मानना था कि ईमानदारी से मेहनत करो और कमाया हुआ धन दूसरो के साथ बांटो क्योंकि मनुष्य की सेवा करना ही सच्चा धर्म है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सिख धर्म ने हमेशा मानवता, साहस और त्याग की मिसाल पेश की है तथा इस समुदाय के वीरों ने देश की रक्षा में अपना सर्वस्व न्योछावर किया। उन्होंने कहा कि सिख समुदाय के लोग स्वतंत्रता संग्राम हो या देश की सीमाओं की सुरक्षा, बाढ़ हो या सूखा, हर परिस्थिति में सदैव मदद के लिए तैयार रहते हैं।फ

सिख समुदाय ने व्यापार, शिक्षा और सामाजिक सेवा के क्षेत्र में भी अतुलनीय योगदान दिया है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार सिख समुदाय के कल्याण और विकास के लिए प्रतिबद्धता से कार्य कर रही है।

गुरुद्वारों के रखरखाव, तीर्थयात्रियों की सुविधाओं सहित सिख समुदाय का कल्याण राज्य सरकार की प्राथमिकता है। शर्मा ने इस अवसर पर गुरुद्वारा में मत्था टेका और प्रदेश की सुख-समृद्धि एवं कल्याण की कामना की। उन्होंने संगत को लंगर छकाया तथा स्वयं भी लंगर की प्रसादी ग्रहण की। इस दौरान राजस्थान सिख समाज के अध्यक्ष अजयपाल सिंह तथा गुरुद्वारा प्रबंध समिति के पदाधिकारियों सहित बड़ी संख्या में आमजन मौजूद रहे।

शराब के नशे में कांस्टेबल पर हमला करने के आरोप में उप जेलर गिरफ्तार

जयपुर/दक्षिण भारत। राजस्थान के भीलवाड़ा जिले के जहाजपुर उप-कारागार में तैनात उप जेलर को शराब के नशे में हंगामा करने और साथी कांस्टेबल (जेल प्रहरी) पर हमला करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। इस घटना का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया जिसके बाद अधिकारियों ने तुरंत कार्रवाई की। पुलिस ने बताया कि आरोपी उप जेलर ओमप्रकाश जाट ने नशे की हालत में दुर्व्यवहार करना शुरू किया और बाद में जेल परिसर के अंदर कांस्टेबल मोहन सिंह पर हमला कर दिया। भीलवाड़ा के पुलिस अधीक्षक धर्मेंद्र सिंह ने कहा, जहाजपुर पुलिस ने उप जेलर के खिलाफ मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है। उदयपुर के उप महानिरीक्षक (जेल) राजेंद्र कुमार ने उप जेलर को बुधवार को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया। आदेश में कहा गया है कि निलंबन के दौरान उनका मुख्यालय कोटा स्थित केंद्रीय कारागार रहेगा।

केन्द्रीय मंत्री शेखावत ने गुरुद्वारे में नवाया शीश

जयपुर/दक्षिण भारत। गुरु नानक देव जी के प्रकाश पर्व के पावन अवसर पर केन्द्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने बुधवार को जोधपुर स्थित गुरुद्वारा गुरु सिंह सभा पहुंचकर गुरु नानक देव जी को नमन किया एवं श्रद्धापूर्वक अरदास में सहभागी बने। शेखावत ने सिख समुदाय एवं समस्त देशवासियों को प्रकाश पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए कहा कि गुरु नानक देव जी का जीवन हमें मानवता, सेवा और सत्य के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि गुरु नानक देव जी के उपदेश आज भी समाज में समरसता, करुणा और सह-अस्तित्व के मूल्यों को सशक्त करते हैं। इस अवसर पर गुरुद्वारा परिसर में आयोजित रक्तदान शिविर में शेखावत ने सक्रिय सहभागिता निभाई तथा रक्तदाताओं से संवाद कर उनका उत्साहवर्धन किया। उन्होंने कहा कि रक्तदान एक श्रेष्ठ मानव सेवा है, जो जीवन बचाने का माध्यम बनती है। कार्यक्रम के दौरान त्रिभुवन सिंह भाटी, प्रतिपाल सिंह वालेचा सहित अनेक जनप्रतिनिधि, गुरुद्वारा प्रबंधक समिति के पदाधिकारी एवं श्रद्धालु उपस्थित रहे। इससे पूर्व केन्द्रीय मंत्री शेखावत ने अपने जोधपुर निवास पर नागरिकों से भेंट कर उनकी समस्याएं सुनीं और आवश्यक समाधान के लिए आश्वासन दिया। तत्पश्चात उन्होंने हवाई मार्ग से दिल्ली के लिए प्रस्थान किया।

दिया कुमारी ने किया पर्यटन मंडप का उद्घाटन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर । लंदन में आयोजित वर्ल्ड ट्रैवल मार्केट 2025 में राजस्थान ने एक बार फिर अपनी समृद्ध विरासत, शाही आकर्षण और जीवंत संस्कृति का शानदार प्रदर्शन किया। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने राजस्थान पर्यटन मंडप का उद्घाटन किया और कहा कि यह राज्य के लिए गर्व का क्षण है कि वैश्विक पर्यटन समुदाय के सामने उसकी कालातीत पहचान को इतनी खूबसूरती से प्रस्तुत किया गया है। राजस्थान का यह मंडप स्थायित्व, समावेशिता और नवाचार पर आधारित नए पर्यटन दृष्टिकोण को प्रदर्शित करता है। इसने अंतरराष्ट्रीय मीडिया, यात्रा लेखकों और पर्यटन उद्योग के दिग्गजों का विशेष ध्यान आकर्षित किया। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने कहा कि राजस्थान सदियों से अपनी संस्कृति, परंपरा और आतिथ्य के लिए देश-विदेश में जाना जाता है। हमारे भव्य किले, सुनहरे रेगिस्तान और रंगारंग त्योहार दुनिया भर के पर्यटकों को आकर्षित करते हैं।

उन्होंने आगे बताया कि डब्ल्यूटीएम में वैश्विक टूर ऑपरेटरों और साझेदारों के साथ हुई चर्चाओं ने सहयोग के नए द्वार खोले हैं, जिससे राजस्थान एक प्रीमियम, सालभर घूमने योग्य पर्यटन गंतव्य के रूप में उभर रहा है जहाँ परंपरा और आधुनिकता का सुंदर संगम है।

इस बार राजस्थान की प्रस्तुति नया दौर का राजस्थान: परंपरा और नवाचार का संगम थीम पर आधारित रही, जिसमें विरासत, लग्ज़री और अनुभवात्मक पर्यटन का सुंदर समन्वय प्रस्तुत किया गया। उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी के नेतृत्व में पर्यटन विभाग के अतिरिक्त निदेशक आनंद त्रिपाठी और उप निदेशक उपेंद्र सिंह शेखावत ने प्रदेश पर्यटन का प्रतिनिधित्व किया। राजस्थान पवेलियन में जयपुर, उदयपुर, जोधपुर, जैसलमेर, शेखावाटी और वागड़ क्षेत्र जैसे प्रमुख पर्यटन सर्किट को नई व्याख्या के साथ पेश किया गया, जहाँ डिजिटल प्रेज़ेंटेशन, इंटरएक्टिव स्क्रीन और वर्चुअल टूर जैसे आधुनिक माध्यमों से राजस्थान की विविधता और अनुभवात्मक यात्रा का परिचय कराया गया।

स्लीपर बसों की हड़ताल खत्म, चार दिन बाद फिर पटरी पर लौटीं सेवाएं

जयपुर/दक्षिण भारत। राजस्थान में निजी स्लीपर बस ऑपरेटर्स की हड़ताल आखिरकार मंगलवार देर रात समाप्त हो गई। परिवहन मुख्यालय में लम्बी बातचीत के बाद यूनियन ने बिना किसी शर्त के हड़ताल वापस ले ली। 30 अक्टूबर से जारी यह हड़ताल चौथे दिन खत्म हुई, जिससे यात्रियों को बड़ी राहत मिली है। दिवाली के ठीक पहले बसों के ठप पड़ जाने से हजारों यात्रियों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। परिवहन विभाग और यूनियन के बीच मंगलवार रात तक चली बैठक में यह सहमति बनी कि सभी निजी स्लीपर बसें सुरक्षा मानकों और बॉडी कोड के अनुरूप ही संचालित होंगी। विभाग ने साफ कर दिया कि नियमों का पालन किए बिना कोई बस सड़क पर नहीं उतरेगी। यूनियन के अध्यक्ष राजेंद्र शर्मा ने कहा कि यात्रियों की सुरक्षा सबसे महत्वपूर्ण है और सभी निर्देशों का पालन किया जाएगा। हड़ताल खत्म होने का संकेत सोमवार को ही मिल गया था, जब बस ऑपरेटर्स का प्रतिनिधिमंडल परिवहन मंत्री और डिप्टी सीएम डॉ. प्रेमचंद बैरवा से मिला था। उस दौरान भी विभाग ने स्पष्ट रूप से कहा था कि बिना बॉडी कोड और सुरक्षा जांच पूरी किए किसी बस को परमिट या संचालन की अनुमति नहीं दी जाएगी। तकनीकी फिटनेस, अग्नि सुरक्षा, आपातकालीन निकास और स्लीपर डिजाइन से जुड़े नियमों का पालन अनिवार्य किया गया है।

चार दिन की इस हड़ताल का सीधा असर आम यात्रियों पर पड़ा। कई रूटों पर बसें पूरी तरह बंद रहीं। निजी बस सेवाएँ रुकने से सरकारी रोडवेज बसों और ट्रेनों पर अतिरिक्त दबाव बढ़ गया। टिकटों की कीमतें बढ़ीं, सीटें फुल हो गईं और कई यात्रियों को अपनी यात्रा रद्द करनी पड़ी। त्योहारों के समय लंबी दूरी की यात्रा करने वालों के लिए यह स्थिति बेहद चुनौतीपूर्ण रही। बस ऑपरेटर्स ने हड़ताल इसलिए की थी क्योंकि उनका कहना था कि सुरक्षा मानक अचानक सख़्ती से लागू कर दिए गए, जबकि बसों को तकनीकी रूप से अपग्रेड करने में समय लगता है। वहीं, परिवहन विभाग का रुख शुरू से ही स्पष्ट था कि यात्रियों की सुरक्षा से कोई समझौता नहीं किया जाएगा।

विभाग का मानना है कि हाल के वर्षों में दुर्घटनाओं और आग लगने की घटनाओं के बाद स्लीपर बसों में सुरक्षा मानक कड़े करना आवश्यक हो गया था। यूनियन और विभाग के बीच हुई सहमति के बाद अब सभी बस ऑपरेटर्स को समयबद्ध तरीके से अपनी बसों को निर्धारित मानकों के अनुरूप अपडेट करना होगा।

राजस्थान में यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ अभियान शुरू

जयपुर/दक्षिण भारत। राजस्थान सरकार ने यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों पर नकेल कसने के लिए 15 दिवसीय राज्यव्यापी सड़क सुरक्षा अभियान शुरू किया है।

अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। उनके अनुसार, चार से 18 नवंबर तक चलने वाला यह विशेष अभियान, फलोदी और जयपुर की हालिया भीषण सड़क दुर्घटनाओं के मद्देनजर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देश पर शुरू किया गया है। बुधवार को जारी आधिकारिक बयान में कहा गया है कि मुख्यमंत्री कार्यालय, गृह विभाग से प्राप्त दैनिक रिपोर्ट के माध्यम से इस अभियान की सीधी निगरानी कर रहा है। इसके मुताबिक, इस अभियान के सफल संचालन के लिए विभागवार जिम्मेदारियां तय की गई हैं।

पुलिस विभाग को इसकी नोडल एजेंसी एवं फील्ड कोऑर्डिनेटर बनाया गया है। विभाग द्वारा शराब पीकर, तेज गति से, गलत दिशा में या खतरनाक तरीके से वाहन चलाने वालों के खिलाफ विशेष अभियान चलाया जा रहा है तथा बिना 'रिफ्लेक्टर' या नंबर प्लेट वाले वाहनों पर विधिक कार्रवाई शुरू की गई है।

वंदे मातरम कार्यक्रम के दिव्य एवं भव्य आयोजन की तैयारियां जोरों पर, प्रमुख शासन सचिव पर्यटन ने लिया तैयारियों का जायजा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राष्ट्रगीत वंदे मातरम के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में वंदे मातरम्150 कार्यक्रम के दिव्य एवं भव्य आयोजन की तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। शुक्रवार, 7 नवम्बर को एसएमएस स्टेडियम में राज्य स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन होगा। बुधवार को एसएमएस स्टेडियम में पर्यटन विभाग के प्रमुख शासन सचिव राजेश कुमार यादव ने आयोजन की तैयारियों का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देशानुसार कार्यक्रम को देश भक्ति की भावना से ओत-प्रोत करने, स्थानीय कलाकारों तथा आमजन की अधिक से अधिक सहभागिता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इसमें सभी सरकारी, गैर सरकारी, शिक्षण संस्थानों विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों तकनीकी मेडिकल कॉलेज, एनसीसी, एनएसएस स्कॉउड गाइड की भागीदारी सुनिश्चित करने के निर्देश भी सम्बन्धित विभागीय अधिकारियों को दिए है। इस दौरान उन्होंने कार्यक्रम को भव्य बनाने के लिए आरएसी, पुलिस, स्कूल सहित कुल पांच बैंड की व्यवस्था करने के निर्देश दिए। उन्होने कार्यक्रम में सुरक्षा व्यवस्था के पुख्ता इंतजामात करने के निर्देश पुलिस को दिए। उन्होंने सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के अधिकारियों को कार्यक्रम स्थल पर प्रदर्शनी, हॉर्डिंग्स सहित कार्यक्रम का व्यापक प्रचार-प्रसार करने के निर्देश दिए हैं। उन्होने विद्यालय, महाविद्यालय व विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राओं को लाने ले जाने के लिए बसों की व्यवस्था करने के निर्देश आरटीओ को दिए है। इस दौरान उन्होंने स्टेज, बैठक व्यवस्था, दरवाजों की सजावट आदि कर कार्यक्रम को भव्यता प्रदान करने के निर्देश भी सम्बन्धित विभागीय अधिकारियों को दिए। इस दौरान शासन सचिव युवा मामले खेल विभाग डॉ. नीरज के पवन, जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी, आयुक्त नगर निगम जयपुर हैरिटेज निधि पटेल, मुख्य कार्यकारी जिला परिषद जयपुर प्रतिभा वर्मा सहित पुलिस प्रशासन के संबंधित विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

सरदार वल्लभ भाई पटेल की 150वीं जयंती

सिरोही में पदयात्रा का हुआ आयोजन, जनप्रतिनिधियों,अधिकारियों व बड़ी संख्या में युवाओं ने निभाई सहभागिता

जयपुर। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय तथा सिरोही जिला प्रशासन के निर्देशानुसार सरदार वल्लभ भाई पटेल की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में बुधवार को शिवगंज में यूनिटी मार्च पदयात्रा का आयोजन किया गया। पदयात्रा को पंचायतीराज राज्य मंत्री ओटाराम देवासी और सांसद लुंबाराम चौधरी सहित अतिथियों ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। पदयात्रा पवेलियन ग्राउंड से प्रारंभ होकर शहर के मुख्य मार्ग पोस्ट ऑफिस चौराहा- नया बस स्टेण्ड, क्रांति सर्कल, पुरानी नगर पालिका, गोल बिल्डिंग, गोकुल वाडी पार्क, हीरागरवाडी, शशि जैन अस्पताल से वापस पवेलियन ग्राउंड में संपन्न हुई। पदयात्रा से पूर्व मेरा युवा भारत की ओर से टी शर्ट का वितरण किया। इस पदयात्रा में प्रतिभागियों द्वारा हाथों में तिरंगा झंडा लेकर और विभिन्न नारों से लिखी हुई तख्तियां लेकर भागीदारी निभाई गई।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राज्यमंत्री देवासी ने सरदार वल्लभ भाई पटेल द्वारा उनके जीवन में किए गए कार्यों के बारे में प्रकाश डाला और उनके जीवन से प्रेरणा लेने की बात कही।उन्होंने इस दौरान सभी को शांति और एकता का संदेश दिया तथा राष्ट्र की सेवा में सदैव तत्पर रहने की बात भी कही।

कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए सांसद लुम्बाराम चौधरी ने सभी से राष्ट्र निर्माण में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाने की बात कही,साथ ही महापुरुषों के जीवन से प्रेरणा लेते हुए उनके आदर्शों पर चलने की बात भी कही। राज्यमंत्री देवासी ने सब को राष्ट्रीय एकता दिवस की शपथ दिलाई जिसमें उन्होंने सब को राष्ट्र की एकता,अखंडता और सुरक्षा में स्वयं को समर्पित करने का संकल्प दिलवाया। सांसद लुंबाराम चौधरी ने सभी को स्वदेशी अपनाने और आत्मनिर्भर भारत बनाने में अपना सहयोग देने की शपथ दिलवाई।

चिकित्सा विभाग ने भर्तियों में रचा कीर्तिमान, रिकॉर्ड समय में 35 हजार पदों पर भर्ती प्रक्रिया पूर्ण की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पहल पर प्रदेश में रिक्त पदों पर भर्ती के कार्य को प्रतिबद्धता के साथ पूरा किया जा रहा है। चिकित्सा विभाग ने राज्य सरकार की इस प्राथमिकता को मिशन मोड में लेते हुए अल्प समय में ही सर्वाधिक भर्तियां करने का कीर्तिमान स्थापित किया है। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य तथा चिकित्सा शिक्षा विभाग ने अब तक 35 हजार से ज्यादा पदों पर भर्ती प्रक्रिया पूर्ण करते हुए 28 हजार से ज्यादा युवाओं को नियुक्तियां प्रदान कर दी हैं। उल्लेखनीय है कि वर्तमान सरकार के कार्यकाल में अब तक करीब 91 हजार पदों पर नियुक्तियां दी गई हैं और करीब 1 लाख 50 हजार पदों पर भर्ती प्रक्रियाधीन है।

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर ने बताया कि वर्तमान सरकार का कार्यकाल प्रारंभ होने से पूर्व चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग में बड़ी संख्या में पद रिक्त थे। इससे स्वास्थ्य सेवाओं की सुगम पहुंच प्रभावित हो रही थी। शहरों में भी बड़ी संख्या में स्वास्थ्य कार्मिकों के पद रिक्त थे, वहीं गांवों एवं कस्बों में तो स्थिति इससे भी अधिक विकट थी। ऐसे में मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने समयबद्ध रूप से भर्तियां करने के निर्देश प्रदान किए। इन निर्देशों के बाद चिकित्सा विभाग ने मिशन मोड में भर्तियां कर मिसाल कायम की है। विभाग ने करीब 50 हजार पदों पर भर्तियां करने का लक्ष्य निर्धारित किया था और इस दिशा में सार्थक पहल करते हुए अब तक 35 हजार से ज्यादा पदों पर भर्ती का कार्य पूरा कर लिया गया है। करीब 15 हजार पदों पर भर्ती प्रक्रियाधीन है, जो भी शीघ्र पूरी होगी।

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की प्रमुख शासन सचिव श्रीमती गायत्री राठौड़ ने बताया कि विभाग ने अराजपत्रित संवर्ग में 20 हजार 630 पद, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत 10 हजार 657 पद, मेडिकल ऑफिसर के 1700 पद तथा चिकित्सा शिक्षा विभाग 2300 से अधिक पदों पर भर्ती प्रक्रिया पूर्ण की गई है। इनमें से 28 हजार से अधिक पदों पर नियुक्तियां दी जा चुकी हैं। शेष पर पदस्थापन की कार्यवाही प्रक्रियाधीन है।

श्रीमती राठौड़ ने बताया कि विभाग में करीब 15 हजार पदों पर भर्ती की कार्यवाही चल रही है। इनमें से राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत करीब 12 हजार पदों पर भर्ती की जा रही है। हाल ही राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड द्वारा 22 संवर्गों के करीब 10 हजार पदों पर परीक्षा आयोजित की जा चुकी है और इनमें से 11 संवर्गों के करीब 5 हजार पदों का परिणाम भी जारी हो चुका है। इसी प्रकार आयुष अधिकारी के 1535 पदों के लिए विज्ञप्ति जारी की जा चुकी है।

फर्जी पासपोर्ट घोटाला: ईडी ने बंगाल के कारोबारी की बैंकॉक की 900 यात्राओं की जांच की

कोलकाता/भाषा। नकली पासपोर्ट घोटाले की जांच कर रहे प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले के एक व्यवसायी की विदेश यात्राओं पर ध्यान केंद्रित किया है। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि खरदाहा क्षेत्र के व्यवसायी विनोद गुप्ता ने पिछले 10 वर्षों में कथित तौर पर लगभग 900 बार बैंकॉक की यात्रा की है। अधिकारी ने बताया, ''हम उनके द्वारा इतने बार विदेश भ्रमण करने के पीछे के कारणों की जांच कर रहे हैं। इन यात्राओं के नकली पासपोर्ट रैकेट से जुड़े एक बड़े नेटवर्क से संबंध होने का संदेह है।'' जांच के तहत ईडी की विभिन्न टीम ने सोमवार को नदिया जिले के साथ-साथ कोलकाता में भी कई स्थानों पर छापे मारे।

अधिकारी ने बताया कि इन तलाशी अभियानों से मिले सुरागों के आधार पर जांचकर्ता मंगलवार को खरदाहा स्थित गुप्ता के आवास पर पहुंचे और गहन तलाशी ली, जो देर रात तक जारी रही। उन्होंने बताया कि छापेमारी के दौरान कई दस्तावेज जब्त किये गये और अधिकारियों का दावा है कि उन्हें महत्वपूर्ण और संदिग्ध जानकारी मिली है। अधिकारी ने बताया कि पूछताछ के दौरान गुप्ता ने जांचकर्ताओं को बताया कि वह मसाला व्यापार का व्यवसाय करता है और बैंकॉक की उसकी लगातार यात्राएं इसी से संबंधित हैं।

इंदौर में भीषण आग से चार कारखाने खाक, कोई जनहानि नहीं : पुलिस

इंदौर (मध्यप्रदेश)/भाषा। इंदौर में बुधवार को भीषण आग लगने से चार कारखाने खाक हो गए और इस घटना में कोई भी व्यक्ति हताहत नहीं हुआ। पुलिस के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) आनंद कलादगी ने बताया कि चंदन नगर थाना क्षेत्र के सिंहासा गांव में आग की शुरुआत ऑयल पेंट के एक कारखाने से हुई और लपटों ने इससे सटी तीन अन्य इकाइयों को भी अपनी जद में ले लिया जहां गत्ता, पशु आहार और लकड़ी का बुरादा बनाया जाता है। उन्होंने बताया,''चारों कारखानों में लगी आग में कोई भी जनहानि नहीं हुई है। आग लगने के दौरान इन कारखानों में कोई भी व्यक्ति मौजूद नहीं था।'' कलादगी ने बताया कि पहली नजर में लगता है कि ऑयल पेंट के कारखाने में बिजली के शॉर्ट सर्किट के कारण आग लगी और बाद में आग तीन अन्य कारखानों तक फैल गई। उन्होंने बताया कि अग्निकांड को लेकर प्राथमिकी दर्ज की जा रही है और इस घटना की विस्तृत जांच की जाएगी। चश्मदीदों के मुताबिक कारखानों में लगी आग इतनी भीषण थी कि इसका गहरा काला धुआं कई किलोमीटर दूर से दिखाई दे रहा था।

''वोट चोरी की व्यवस्था' का उपयोग बिहार में भी करने की तैयारी: राहुल

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने बुधवार को आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और निर्वाचन आयोग ने''भारतीय लोकतंत्र की हत्या'' करने के लिए ''वोट चोरी' की व्यवस्था विकसित की है और उन्होंने दावा किया कि इसका उपयोग बिहार विधानसभा चुनाव में भी किया जाएगा। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने बिहार विधानसभा चुनाव के पहले चरण के मतदान से एक दिन पहले संवाददाता सम्मेलन में यह दावा किया। उन्होंने यह दावा करते हुए विस्तृत प्रस्तुति दी कि पिछले साल हरियाणा विधानसभा चुनाव ''चोरी'' किया था।

राहुल गांधी ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार और दो निर्वाचन आयुक्तों की तस्वीर की ओर इशारा करते हुए आरोप लगाया, ''यह बहुत स्पष्ट है कि वोट चोरी के लिए कौन जिम्मेदार है। इन सज्जनों ने यह सुनिश्चित करने के लिए भाजपा के साथ मिलीभगत की कि कांग्रेस हरियाणा में चुनाव नहीं जीत सके। निर्वाचन आयोग ने प्रधानमंत्री और गृह मंत्री (अमित शाह) के साथ साझेदारी की है और उन्होंने इस देश की लोकतांत्रिक बुनियाद को नष्ट कर दिया है।'' उन्होंने दावा किया, ''हमारे सामने यह स्पष्ट है कि 'वोट चोरी' अब एक व्यवस्था बन गयी है। यह औद्योगीकरण का रूप ले चुका है और इसका उपयोग किसी भी राज्य में किया जा सकता है। इसका उपयोग बिहार में होने जा रहा है और मुझे विश्वास है कि बिहार चुनाव के बाद हमें वही रिकॉर्ड मिलेंगे।''

युवा भारतीय अपने कौशल विकास के लिए कर रहे हैं कर्ज का इस्तेमाल : सर्वेक्षण

मुंबइ/भाषा। युवा भारतीय प्रगति के लिए ऋण का उपयोग एक जिम्मेदार प्रवर्तक के रूप में कर रहे हैं। वे कौशल उन्नयन में निवेश करने, करियर विकास के लिए और उद्यमशीलता के लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए इसका इस्तेमाल करते हैं। एक सर्वेक्षण में यह बात सामने आई है।

डिजिटल ऋण मंच 'एमपॉकेट' द्वारा किए गए सर्वेक्षण में कहा गया कि आज की पीढ़ी के लिए ऋण तक पहुंच निर्भरता नहीं, बल्कि संभावना है।

सर्वेक्षण में पाया गया कि 63 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने अपनी वित्तीय भलाई पर सकारात्मक प्रभाव की बात कही। वहीं करीब 40 प्रतिशत लोग ऋण का उपयोग व्यावसायिक उन्नति (21.1 प्रतिशत), जीवनशैली में सुधार (20 प्रतिशत) और शिक्षा (16.5 प्रतिशत) जैसे भविष्योन्मुखी उद्देश्यों के लिए कर रहे हैं।

सर्वेक्षण में 3,000 से अधिक युवा भारतीयों से बात की गई। 26.3 प्रतिशत लोग अब भी स्वास्थ्य सेवा के लिए और 12.4 प्रतिशत लोग आपात स्थिति के लिए ऋण पर निर्भर हैं। प्रमुख प्रवृत्ति स्व-निवेश और दीर्घकालिक विकास की ओर बदलाव को दर्शाती है। करीब 10 प्रतिशत उत्तरदाता ऋण का उपयोग 'फ्रीलांसिंग', रचनात्मक परियोजनाओं या छोटे उद्यमों में कर रहे हैं जो दर्शाता है कि वित्तीय पहुंच किस प्रकार शहरों तथा कस्बों में भारत की उद्यमशीलता की भावना को उजागर करने में मदद कर रही है।

गुरु नानक की शिक्षाएं समाज के लिए प्रेरणास्रोत : योगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को कहा कि गुरु नानक देव का एकता, समानता व सेवा का संदेश पांच शताब्दियों बाद भी भारत के सामाजिक ताने-बाने को परिभाषित करता है।

लखनऊ के डीएवी कॉलेज में गुरु नानक देव जी के 556वें प्रकाश पर्व के अवसर पर आयोजित समारोह में उन्होंने कहा, सिख गुरुओं और अन्य महान संतों के त्याग सदैव प्रेरणा स्रोत रहे हैं। योगी आदित्यनाथ ने गुरु ग्रंथ साहिब और सिख गुरुओं को नमन किया। उन्होंने कहा, गुरु नानक देव जी की शिक्षाएं समाज के लिए मार्गदर्शक प्रकाश हैं। सिख गुरु का एकता, समानता और सेवा का संदेश आज भी भारत की सामाजिक संरचना को दिशा दे रहा है।

आस्था में एकता और दृढ़ता का आह्वान करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा, ऐसे समय में जब कुछ क्षेत्रों में धर्मांतरण की घटनाएं सामने आ रही हैं, तब हमें सिख परंपरा के एकता, सेवा और भाईचारे के सिद्धांतों को मजबूत बनाना चाहिए। समाज में यदि कोई कमजोरी है, तो उसे दूर करना हमारी जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि गुरु गोबिंद सिंह महाराज ने खालसा पंथ की स्थापना करके समाज के सभी वर्गों को एक सूत्र में बांध दिया। मुख्यमंत्री ने कहा, जब तक हम मजबूत और एकजुट रहेंगे, तब तक सब हमारी आस्था सम्मान करेंगे, और हमें आज उसी साहस व एकता की भावना को फिर से प्रज्वलित करना होगा।

योगी आदित्यनाथ ने कहा, गुरु नानक देव जी भारत के महान आध्यात्मिक प्रकाशपुंज थे, जिन्होंने पांच सौ साल पहले सामाजिक संगठन, समानता और निःस्वार्थ सेवा का संदेश दिया। उनकी शिक्षाएं भारत के सामाजिक ढांचे की नींव हैं।

गुरु नानक देव के समय की चुनौतियों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा, जब देश पर बाबर जैसे विदेशी आक्रमणकारी हमले कर रहे थे, जब मंदिरों को तोड़ा जा रहा था और आस्था पर संकट था, तब गुरु नानक देव जी ने निर्भीक होकर समाज का मार्गदर्शन किया। उन्होंने लोगों को रोटी बांटने, गरीबों की मदद करने और एकजुट समाज बनाने की शिक्षा दी।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि गुरु नानक देव का जीवन भारत की संत परंपरा की अदम्य शक्ति का उदाहरण है।

उन्होंने कहा, भारत संतों और ऋषियों की भूमि है, जिन्होंने कठिनतम परिस्थितियों में भी राष्ट्र की आत्मा को जीवित रखा। जब कई शासक विदेशी आक्रमणकारियों के सामने झुक गए, तब गुरु नानक देव जी ने बाबर को 'जबर' यानी अत्याचारी कहने का साहस दिखाया। यही भारत की आध्यात्मिक विरासत की शक्ति थी।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी देश को गुमराह करने की कोशिश कर रहे हैं: सैनी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चंडीगढ़/भाषा। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने बुधवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए उन पर अपने झूठ से देश को गुमराह करने का आरोप लगाया। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष गांधी ने ''वोट चोरी'' के खिलाफ अपनी मुहिम को जारी रखते हुए बुधवार को हरियाणा की मतदाता सूची से जुड़े आंकड़े सामने रखे और दावा किया कि पिछले साल अक्टूबर में हुए राज्य विधानसभा चुनाव को 25 लाख फर्जी मतों के जरिये चोरी किया गया था।

गांधी ने निर्वाचन आयोग पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के साथ मिलीभगत का आरोप भी लगाया। सैनी ने हालांकि गांधी के आरोपों पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। गांधी के आरोपों के बारे में पूछे जाने पर हरियाणा के मुख्यमंत्री सैनी ने कहा कि वह कोई टिप्पणी नहीं करना चाहते।

सैनी ने पंचकूला में पत्रकारों से कहा, ''लेकिन राहुल गांधी देश को गुमराह करने की कोशिश कर रहे हैं। कांग्रेस ने हमेशा देश को पीछे धकेलने का काम किया है।'' उन्होंने कहा कि कांग्रेस और इसके ''युवराज'' के पास कोई मुद्दा नहीं बचा है। उन्होंने कहा, ''आज मैं कोई टिप्पणी नहीं करना चाहता। जब समय आएगा तो मैं निश्चित रूप से बोलूंगा, क्योंकि उनके पास कोई मुद्दा नहीं है।'' सैनी ने कहा, ''वे (कांग्रेस) झूठ बोलकर देश को गुमराह कर रहे हैं। ऐसे झूठ फैलाकर लोग आपके साथ नहीं आएंगे।''

ओडिशा: खुर्दा जिले में सीमा विवाद को लेकर हिंसक झड़प, कई लोग घायल

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा के खुर्दा जिले में दो गांवों के निवासियों के बीच बुधवार को सीमा विवाद को लेकर हुई हिंसक झड़प में कई लोग घायल हो गए और तीन से चार दुकानों में आगजनी की गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। यह घटना भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 163 के तहत निषेधाज्ञा हटाए जाने के कुछ दिन बाद हुई। इस मुद्दे पर पहले भी हिंसा हो चुकी थी, जिसके बाद इस क्षेत्र में निषेधाज्ञा लागू की गई थी।

खुर्दा के पुलिस अधीक्षक विवेकानंद शर्मा ने संवाददाताओं को बताया, आज सुबह बाघमरी थाना क्षेत्र के ओस्तापुर और कोटपल्ला गांवों के निवासियों के बीच पथराव हुआ, जिसमें कई लोग घायल हो गए। इस दौरान तीन से चार दुकानों में आग भी लगाई गई।

माइक्रोसॉफ्ट भारत समेत 15 देशों में 'कोपायलट' का स्थानीय डेटा प्रसंस्करण करेगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दिग्गज प्रौद्योगिकी कंपनी माइक्रोसॉफ्ट ने कहा है कि वह अपने कृत्रिम मेधा (एआई) टूल 'माइक्रोसॉफ्ट 365 कोपायलट' के लिए 2026 तक भारत समेत 15 देशों में स्थानीय स्तर पर ही डेटा प्रोसेसिंग की सुविधा शुरू करेगी।

इस कदम का उद्देश्य उपयोगकर्ताओं के डेटा को देश की सीमाओं के भीतर ही सुरक्षित रखना और नियामकीय अनुपालन को मजबूत करना है। माइक्रोसॉफ्ट 365 कोपायलट एआई पर आधारित एक डिजिटल सहायक है जो माइक्रोसॉफ्ट के ऑफिस अनुप्रयोगों- वर्ड, एक्सेल, पावरपॉइंट, आउटलुक और टीम्स में एकीकृत है। यह उपयोगकर्ता के

निर्देश पर सामग्री बनाने, डेटा विश्लेषण, ईमेल या रिपोर्ट लिखने और सारांश बनाने जैसे काम करता है। माइक्रोसॉफ्ट ने अपने एक ब्लॉग में कहा कि भारत, ऑस्ट्रेलिया, जापान और ब्रिटेन में ग्राहकों को 2025 के अंत तक यह विकल्प मिलेगा कि उनके कोपायलट टूल पर होने वाली बातचीत और प्रतिक्रियाओं से संबंधित आंकड़े देश की सीमाओं के भीतर स्थित डेटा केंद्रों में ही प्रसंस्कृत किए जाएं।

इसके बाद 2026 में कनाडा, जर्मनी, इटली, मलेशिया, पोलैंड, दक्षिण अफ्रीका, स्पेन, स्वीडन, स्विट्ज़रलैंड, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) और अमेरिका में भी यह सुविधा शुरू की जाएगी। माइक्रोसॉफ्ट ने कहा कि यह कदम सरकारी संस्थानों और अत्यधिक विनियमित उद्योगों के लिए डेटा सुरक्षा और शासन को सुदृढ़ करेगा।

कंपनी माइक्रोसॉफ्ट 365 कोपायलट ग्राहकों के लिए डेटा को स्थानीय स्तर पर ही प्रसंस्कृत करने की सुविधा पहले से ही 27 देशों में उपलब्ध करा रही है। घरेलू डेटा प्रसंस्करण की यह पहल उस समय आई है जब प्रौद्योगिकी कंपनी ने हाल में अनुपालन ढांचे में सुधार किए हैं। यह सुधार नायरा एनर्जी के साथ ईमेल सेवा को लेकर हुए विवाद के बाद लागू किए गए थे।

जुलाई में यूरोपीय संघ द्वारा नायरा एनर्जी पर रूस से संबंध होने के आरोप में प्रतिबंध लगाए जाने के बाद माइक्रोसॉफ्ट ने उसकी ईमेल सेवाएं रोक दी थीं।

राजग 'वोट चोरी' के जरिये बिहार में सरकार बनाना चाहता है: प्रियंका गांधी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेतिया (बिहार)/भाषा। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाद्रा ने बुधवार को आरोप लगाया कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) बिहार में वोट चोरी के जरिये सरकार बनाना चाहता है। उन्होंने दावा किया कि विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया के तहत 65 लाख लोगों के नाम मतदाता सूची से हटा दिए गए हैं, जिनमें बड़ी संख्या में महिलाएं भी शामिल हैं।

पश्चिम चंपारण जिले के वाल्मीकिनगर और चनपटिया में लगातार दो जनसभाओं को संबोधित करते हुए कांग्रेस महासचिव ने कहा, ''राजग जानता है कि जनता उसके 20 साल के शासन से ऊब चुकी है, इसलिए वह वोट चोरी में लिप्त है।'' उन्होंने कहा, ''आज देश में हालात ऐसे हैं, जैसे अंग्रेजों के शासनकाल में हुआ करते थे, मुझे संदेह है कि भविष्य में इस देश में चुनाव भी होंगे या नहीं।''

प्रियंका ने कहा, ''मेरे भाई राहुल गांधी ने आज हरियाणा में 'वोट चोरी' का पूरा ब्योरा दिया है।'' उनका इशारा लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी द्वारा लगाए गए उन आरोपों की ओर था, जिनमें 2024 के हरियाणा विधानसभा चुनाव में व्यापक अनियमितताओं का दावा किया गया था। उन्होंने कहा, ''राजग सब कुछ बर्बाद कर देगा... यह भी साफ नहीं है कि आगे चुनाव होंगे या नहीं... आप चुप क्यों हैं? इन्हें सत्ता से बाहर का रास्ता दिखाइए।'' प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर तीखा प्रहार करते हुए उन्होंने कहा, ''प्रधानमंत्री को बिहार में

अपराध और भ्रष्टाचार रोकने, युवाओं को शिक्षा देने की बजाय इस बात की चिंता है कि कांग्रेस के पोस्टर में तेजस्वी यादव की तस्वीर क्यों नहीं है।'' उन्होंने आरोप लगाया, ''मोदी जी खुद अपनी रैलियों में बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को मंच पर साथ नहीं रखते, लेकिन कांग्रेस पर सवाल उठाते हैं।''

प्रियंका ने तंज कसते हुए कहा, ''राजग को बिहार के युवाओं के भविष्य से ज्यादा राहुल गांधी और तेजस्वी यादव के भविष्य की चिंता है।'' उन्होंने कहा कि यदि 'इंडिया' गठबंधन को बिहार में सरकार बनाने का मौका मिला, तो राज्य के हर नागरिक को 25 लाख रुपए तक का मुफ्त इलाज उपलब्ध कराया जाएगा।

प्रियंका ने कहा, हम हर गरीब परिवार के लिए कम से कम एक सरकारी नौकरी देने की कोशिश करेंगे। साथ ही, विभिन्न विभागों में लाखों रिक्त पदों को भरा जाएगा। उन्होंने आरोप लगाया कि सभी उद्योग गुजरात में लगाए जा रहे हैं, जो प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह का गृह राज्य है। उन्होंने कहा, ''उनकी मंशा को समझिए... जो लोग जमीन और संसाधन कॉरपोरेट घरानों को सौंप देते हैं, वे कभी गरीबों के लिए काम नहीं करेंगे।''

प्रियंका ने आरोप लगाया कि मोदी सरकार पांच साल अंबानीअदाणी के लिए काम करती है और चुनाव के समय जनता के बीच लौटती है। उन्होंने कहा कि बिहार के किसान टैक्स और कृषि लागत बढ़ने के कारण अपनी आय नहीं बढ़ा पा रहे हैं। उन्होंने कहा कि मोदी साम्राज्य में किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) नहीं मिलता, वे कर्ज चुकाते-चुकाते पूरी जिंदगी गुजार देते हैं, जबकि कुछ बड़े उद्योगपतियों के कर्ज माफ कर दिए जाते हैं। प्रियंका ने कहा कि बिहार में बेरोजगारी की ऊंची दर के कारण राज्य के युवा बड़ी संख्या में रोजगार की तलाश में बाहर जा रहे हैं। उन्होंने कहा, अगर इंडिया गठबंधन की सरकार बनी, तो हर गरीब परिवार को या तो एक घर या 3.5 डिसमिल जमीन दी जाएगी और संपत्ति का पंजीकरण महिलाओं के नाम पर किया जाएगा।

प्रियंका ने कहा कि राजग सरकार ने रक्षा भर्ती में 'अग्निपथ योजना' लागू की, जिसके तहत युवाओं को सिर्फ चार साल के लिए नौकरी मिलेगी और फिर वे बेरोजगार हो जाएंगे। उन्होंने कहा कि अगर इंडिया गठबंधन को सत्ता मिली तो मनरेगा के तहत काम के दिनों की संख्या दोगुनी की जाएगी और पुरानी पेंशन योजना (ओपीएस) को फिर से लागू किया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि पंचायतों और नगर निकायों में अति पिछड़े वर्गों (ईबीसी) के लिए 30 प्रतिशत और अनुसूचित जातियों (एससी) के लिए 20 प्रतिशत आरक्षण सुनिश्चित किया जाएगा।

सरकार ने रासायनिक आपात स्थितियों के लिए निगरानी तंत्र व प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किया

नई दिल्ली/भाषा। केंद्र ने सार्वजनिक स्वास्थ्य पेशेवरों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किया है, ताकि रासायनिक खतरों के प्रति त्वरित प्रतिक्रिया के वास्ते उनकी तैयारी को बढ़ाया जा सके, जिसमें रासायनिक जोखिम के कारण होने वाले स्वास्थ्य जोखिमों की पूर्व चेतावनी, आकलन और शमन के लिए निगरानी तंत्र की सहायता ली जा सके।

स्वास्थ्य मंत्रालय के अंतर्गत राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र (एनसीडीसी) द्वारा एनडीएमए (राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण) के साथ साझेदारी में, विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) भारत के तकनीकी सहयोग से तीन विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम विकसित किए गए हैं। शुरुआती पहचान से लेकर मौके पर प्रतिक्रिया और समय पर चिकित्सा सहायता तक, ये कार्यक्रम एकजुटता से काम करते हैं, तथा एक ऐसा ढांचा विकसित करते हैं जो संपूर्ण रासायनिक आपातकालीन प्रबंधन से निपटता है।

तीन कार्यक्रम हैं: रासायनिक आपात स्थितियों के सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रबंधन के लिए तैयारी, निगरानी और प्रतिक्रिया; रासायनिक आपात स्थितियों का अस्पताल-पूर्व प्रबंधन और रासायनिक आपात स्थितियों का चिकित्सा प्रबंधन। योजना के अनुसार, प्रत्येक जिले में एक रासायनिक आपातकालीन त्वरित प्रतिक्रिया दल (आरआरटी) का गठन किया जाएगा।

बाबर-औरंगजेब की विरासत का प्रतिनिधित्व करते हैं तेजस्वी और लालू : हिमंत विश्व शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने बुधवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भगवान राम के आदर्शों के प्रतीक हैं, जबकि महागठबंधन के मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार तेजस्वी यादव और उनके पिता तथा राष्ट्रीय जनता दल (राजद) अध्यक्ष लालू प्रसाद बाबर और औरंगजेब की विरासत का प्रतिनिधित्व करते हैं।

पश्चिम चंपारण जिले के चनपटिया विधानसभा क्षेत्र में चुनावी सभा को संबोधित करते हुए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता ने कहा, ''केवल वही व्यक्ति बिहार का मुख्यमंत्री बनने का अधिकारी है जो भगवान राम की उपासना करता है और लक्ष्मण की तरह समर्पित है। बिहार की जनता खुद अपने नेता का चयन करेगी। उसे ओवैसी की सलाह की जरूरत नहीं है।'' उन्होंने ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी पर निशाना साधते हुए कहा, ''अगर ओवैसी इतना बेचैन हैं, तो मैं उन्हें पाकिस्तान जाने का टिकट ऑफर करता हूं। वे वहां अपनी पसंद के लोगों को चुनाव जितवा सकते हैं।''

शर्मा ने कहा, ''मोदी राम और लक्ष्मण के आदर्शों का प्रतीक हैं, जबकि तेजस्वी और लालू बाबर और औरंगजेब की विरासत के प्रतिनिधि हैं। बिहार विधानसभा चुनाव दो विचारधाराओं के बीच की लड़ाई है।'' उन्होंने दावा किया कि ''लंबे समय बाद देश में हिंदू स्वतंत्र रूप से जी, बोल और चल-फिर पा रहे हैं, और यह सब मोदी के नेतृत्व में संभव हुआ है। बिहार में वे मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की मदद कर रहे हैं। मुझे पूरा विश्वास है कि राज्य की जनता राजग को वोट देगी।'' कांग्रेस से 2015 तक जुड़े रहे शर्मा ने संवाददताओं से बातचीत में लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर भी तीखा हमला बोला। उन्होंने दावा किया, ''राहुल गांधी देश के दुश्मन हैं।''

भाजपा-जद (यू) की हार से बिहार में खत्म हो जाएगा पलायन, भ्रष्टाचार और गुंडाराज : कांग्रेस

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने बिहार विधानसभा चुनाव के पहले चरण के मतदान से एक दिन पहले बुधवार को दावा किया कि यदि मतदाता भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और जनता दल (यू) को हरा दें तो प्रदेश में बेरोज़गारी, पलायन, भ्रष्टाचार और गुंडाराज अपने आप खत्म हो जाएगा। बिहार के 18 जिलों की 121 विधानसभा सीट पर छह नवंबर को मतदान होगा।

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने पोस्ट किया, ''कल छह नवंबर के प्रथम चरण के मतदान से पहले, भाजपा-जद(यू) सरकार द्वारा बीते 20 वर्षों में बिहार के साथ किए गए धोखे, अन्याय और उपेक्षा के इन 20 बिंदुओं पर नज़र ज़रूर डालिए कि कैसे राजग ने अपने सत्ता-स्वार्थ के लिए बिहार के उज्ज्वल

भविष्य को अंधकार में धकेल दिया।'' उन्होंने दावा किया, ''राज्य में 10 से अधिक भर्ती एवं प्रवेश परीक्षाएं लीक हुईं, घोटाले हुए तथा लाखों युवाओं का भविष्य बर्बाद हुआ। जब युवा न्याय मांगने सड़कों पर निकले, तो उन्हें बेरहमी से लाठियों से पीटा गया। एक स्टिंग ऑपरेशन में खुलासा हुआ कि बिहार में 20 से 50 लाख रुपए में पेपर और डिग्री बेची जाती है।'' राजग सरकार की विफल आर्थिक और रोजगार नीतियों के कारण करोड़ों लोगों को अपना घर छोड़कर दूसरे राज्यों में मजदूरी के लिए जाना पड़ा तथा खुद मोदी सरकार के ई-श्रम पोर्टल के अनुसार 3.18 करोड़ बिहारवासी दूसरे राज्यों में मजदूरी कर रहे हैं। रमेश ने आरोप लगाया कि भाजपा-जद(यू) ने बिहार को देश का सबसे निर्धन राज्य बना दिया। उन्होंने दावा किया, ''उद्योग-धंधे चौपट हो गए। जो कुछ उद्योगपति अपने दम पर उद्योग चला रहे हैं, वे भी असुरक्षित हैं। पिछले छह महीनों में 11 उद्योगपतियों की हत्या हुई। बिहार में गुंडाराज और अपहरण उद्योग फल-फूल रहा है। हर दिन औसतन आठ हत्याएं, 33 अपहरण और 136 जघन्य अपराध होते हैं। कैग ने 70,000 करोड़ रुपए के घोटाले का खुलासा किया।''

फिट होकर पंत की दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ श्रृंखला के लिए टेस्ट टीम में वापसी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। स्टार विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत ने पैर के फ्रेक्चर से उबरकर दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ आगामी दो मैचों की घरेलू शृंखला के लिये भारतीय टेस्ट टीम में वापसी की । पंत को जुलाई में मैनचेस्टर में इंग्लैंड के खिलाफ चौथे टेस्ट के दौरान चोट लगी थी और वह वेस्टइंडीज के खिलाफ अगली शृंखला नहीं खेल सके थे । उन्होंने हाल ही में बेंगलूरु में दक्षिण अफ्रीका ए के खिलाफ भारत ए टीम की कप्तानी की और दूसरी पारी में 90 रन बनाये । शुभमन गिल की कप्तानी वाली भारतीय टीम में उन्होंने एन जगदीशन की जगह ली । बंगाल के तेज गेंदबाज आकाश दीप ने भी कंधे की चोट से उबरकर वापसी की है । उन्होंने हाल ही में रणजी ट्रॉफी और ईरानी ट्रॉफी के जरिये प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में वापसी की । वह भारत ए टीम का भी हिस्सा हैं जो बृहस्पतिवार से बेंगलूरु में शुरू हो रहे दूसरे चार दिवसीय मैच में दक्षिण अफ्रीका ए से खेलेगी । पहला टेस्ट कोलकाता में 14 नवंबर से और दूसरा गुवाहाटी में 22 नवंबर से खेला जायेगा ।

भारतीय टेस्ट टीम : शुभमन गिल (कप्तान), ऋषभ पंत, यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल, साइ सुदर्शन, देवदत्त पडिक्कल, ध्रुव जुरेल, रविंद्र जडेजा, वॉशिंगटन सुंदर, जसप्रीत, अक्षर पटेल, नीतिश कुमार रेड्डी, मो. सिराज, कुलदीप यादव और आकाश दीप।

सुविचार

जिंदगी में सफल होने के लिए सबसे जरूरी है, अपने प्रयासों को कभी भी कम नहीं करना।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

छोटे उपाय, बड़े बदलाव

सिक्किम सरकार ने सभी सरकारी कार्यालयों में हर बृहस्पतिवार को 'पारंपरिक परिधान दिवस' मनाने की घोषणा कर संस्कृति के संरक्षण की दिशा में महत्त्वपूर्ण कदम बढ़ाया है। यह दिवस स्वदेशी को बढ़ावा देगा और रोजगार के अनेक अवसरों का सृजन करेगा। इसे सरकारी कार्यालयों के अलावा निजी कार्यालयों में भी मनाना चाहिए। इसी तर्ज पर हर हफ्ते या पखवाड़े में एक बार पारंपरिक भोजन दिवस मनाया जा सकता है। उस दिन सभी कर्मचारी अपने राज्यों के पारंपरिक पकवान लेकर आएं। आज स्वाद के नाम पर फास्ट फूड और अत्यधिक गरिष्ठ पदार्थों को बढ़ावा दिया जा रहा है। कई लोग यह सोचकर ऐसा भोजन करते हैं कि वे 'आधुनिक' कहलाएंगे। आधुनिकता का संबंध विचारों से है, जीभ के स्वाद से नहीं है। अगर कोई व्यक्ति कार्यालय में बाजरे की रोटी, काचरे की सब्जी और छाछ-राबड़ी लेकर आता है तो वह भी उच्च शिक्षित और आधुनिक हो सकता है। खानपान में मोटे अनाज को बढ़ावा मिलना चाहिए। हर कार्यालय में एक दिन पारंपरिक बर्तनों के लिए होना चाहिए। आज प्लास्टिक के बर्तनों में चाय, पानी, खाना आदि पेश कर स्वास्थ्य से खिलवाड़ किया जा रहा है। कई डॉक्टर अपने अनुभवों के आधार पर बता चुके हैं कि प्लास्टिक के बर्तनों में गर्म चीज परोसने का मतलब है- रोगों को निमंत्रण देना। हमारे देश में हजारों साल से लोहा, पीतल, कांसा, तांबे के बर्तन इस्तेमाल होते रहे हैं। इनमें विशिष्ट गुण होते हैं। इनकी प्लास्टिक से कोई तुलना नहीं की जा सकती। मिट्टी के बर्तनों और पत्तलों में प्रकृति की अद्भुत सुगंध घुली होती है। अगर सभी कार्यालय पारंपरिक बर्तनों को बढ़ावा देने लग जाएं तो लाखों लोगों को रोजगार मिल सकता है। सोचिए, कार्यालयों और कर्मचारियों के घरों में होने वाले कार्यक्रमों में भोजन के लिए पत्तलों का इस्तेमाल होने लगे तो भारत के कितने किसानों को रोजगार मिल सकता है!

नहाने और कपड़े धोने के लिए साबुन की जरूरत पड़ती है। आज बाजार में इतने साबुन हैं कि सबके नाम याद रखना कठिन है। पहले नीम, शिकाकाई, रीठा, आंवला, खास किस्म की मिट्टी से बने साबुन प्रचलित थे, जिन्हें स्थानीय उद्यमी बनाया करते थे। धीरे-धीरे बहुराष्ट्रीय कंपनियों ने बाजार पर कब्जा कर लिया। अगर सभी कर्मचारी यह ठान लें कि वे हफ्ते में कम-से-कम एक दिन पारंपरिक साबुन का इस्तेमाल करेंगे तो यह उद्योग दोबारा खड़ा हो सकता है। स्थानीय उद्यमियों के पास जाने वाला पैसा किसी-न-किसी रूप में लौटकर आपके ही पास आएगा। इस पर गंभीरता से विचार करना चाहिए। कार्यालयों में कंप्यूटरों के बढ़ते इस्तेमाल से कर्मचारियों और लोगों को सुविधा हुई है। कलम से लिखने का काम कम हो गया है। हालांकि कलम का इस्तेमाल पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है। कुछ क्षेत्र हैं, जहां कलम की जरूरत पड़ती है। स्कूलों और कॉलेजों में कागज-कलम की अहमियत बनी हुई है। आज विद्यार्थियों के पास रंग-बिरंगे, महंगे, सुंदर, सजावटी, कई तरह के 'पेन' हैं। अगर इनके साथ एक फाउंटेन पेन भी होता तो वह कई तरह से फायदा पहुंचाता। फाउंटेन पेन से लिखावट सुधरती है। यह स्याही उद्योग को भी बढ़ावा देता है। स्कूलों, कॉलेजों और विभिन्न कार्यालयों में हफ्ते का एक दिन फाउंटेन पेन के नाम होना चाहिए। लोग अपने घरों की स्वच्छता और सजावट का बहुत ध्यान रखते हैं। इसी तरह कार्यालयों का ध्यान रखना चाहिए। आज कई सरकारी कार्यालयों की दीवारें पीक से रंगी हुई हैं। उनमें जगह-जगह मकड़ियों के जाले लगे हैं। उनके मुख्य द्वार पर भी स्वच्छता का अभाव देखने को मिलता है। सभी कार्यालयों में एक दिन स्वच्छता के साथ ही पारंपरिक सजावट के लिए होना चाहिए। उस दिन अल्पना, रंगोली, तोरण, दीपक, लोकचित्र आदि बनाकर कार्यालयों को सुंदर बनाना चाहिए। ऐसे वातावरण का कर्मचारियों और लोगों के मन पर सकारात्मक असर होगा। ये कुछ छोटे-छोटे उपाय हैं, जिनके जरिए हम अपने देश में बड़े बदलाव लेकर आ सकते हैं। क्या कोई कार्यालय इन पर अमल करेगा?

ट्वीटर टॉक

अन्ता की जनता सच, सेवा और समर्पण के साथ एकजुट होकर खड़ी है। अन्ता परिवार के राजपूत समाज के आदरणीय सदस्यों से भेंट कर भाजपा प्रत्याशी श्री मोरपाल सुमन जी के समर्थन की अपील की। आप सभी का अपार स्नेह और समर्थन पाकर मैं हृदय से अभिभूत हूँ।

-वसुंधरा राजे

जोधपुर निवास पर क्षेत्र के अनेक स्थानों से आए मेरे परिवारजनों से मेल-मुलाक़ात का सिलसिला जारी रहा। सभी स्थानों के नागरिक मेरा विस्तृत परिवार हैं। वे केवल अपनी परेशानियाँ बताने नहीं आते, मुझे स्नेहाशीष और शुभकामनाएँ देने की आत्मीयता लिए हुए भी पधारते हैं।

-गजेन्द्र सिंह शेखावत

हरियाणा की वोटर लिस्ट में ब्राजील की मॉडल ब्राजील की एक मॉडल की तस्वीर हरियाणा की वोटर लिस्ट में पाई गई है। इन्हें 10 बूथ में 22 बार वोट देने का मौका मिलता है। साफ है कि ये इडज का काम नहीं है। ये फर्जी डेटा, सेंटर से डाटाबेस में डाला गया है।

-राहुल गांधी

प्रेरक प्रसंग

क्रांति की सार्थकता

एक बार सरदार वल्लभभाई पटेल बिहार में सभा को संबोधित कर रहे थे। वहां उपस्थित अधिकांश युवा उन्हें देखते ही बोले, 'क्रांति की जय।' जब युवा चुप हो गए तो पटेल शांत स्वर में बोले, 'क्या आप क्रांति का अर्थ जानते हैं? एक बार क्रांति करके दिखाइए, उसके बाद उसकी जय के नारे लगाइए, जिसका अस्तित्व ही न हो उसकी जय-जयकार से क्या मतलब?' यह सुनकर एक युवा बोला, 'क्या अभी तक हमारे देश में कभी क्रांति नहीं हुई?' पटेल बोले, 'हां, हुई है, अवश्य हुई है लेकिन पूरे देश में क्रांति कभी नहीं हुई। यहां चंपारण की क्रांति हुई थी। उसी के आधार पर हमारा नाम देश-विदेशों में प्रसिद्ध हुआ।' दूसरा युवा बोला, 'पूरे देश में क्रांति की जय कब होगी?' पटेल बोले, 'क्रांति के लिए आपको दकियानूसी रस्मो-रिवाज से बाहर आकर स्वयं को मजबूत बनाना होगा। प्रत्येक युवा को यह मन में ठानना होगा कि उसे भीड़ का हिस्सा नहीं बनना है, बल्कि स्वयं को इस काबिल बनाना है कि वह जहां खड़ा हो जाए वहां भीड़ लग जाए। देश के प्रति समर्पण एवं प्रेम की इच्छा आपको यह हक देती है कि आप 'क्रांति की जय' बोलें।' युवा जोश से बोले, 'हम सब अपने अंदर देश प्रेम की भावना को विकसित करेंगे।

सामयिक

हवाई यात्रा होगी और आसान

महेन्द्र तिवारी
मोबाइल : 9989703240

भारत में हवाई यात्रा अब कोई विलासिता नहीं रह गई है। पिछले एक दशक में हवाई सफर आम लोगों की पहुंच में आ चुका है। सस्ती उड़ानों, नई एयरलाइनों और बढ़ते मध्यम वर्ग की क्रय शक्ति ने हवाई यात्रा को पहले से कहीं अधिक लोकप्रिय बना दिया है। लेकिन इस बढ़ती सुविधा के साथ एक असुविधा भी बराबर चलती रही है- टिकट रद्द करने या यात्रा की तारीख बदलने पर लगने वाले भारी शुल्क। कई बार यात्रियों को टिकट का आधा से ज्यादा पैसा सिर्फ कैंसिलेशन चार्ज के रूप में गंवाना पड़ता था। अब इस समस्या से यात्रियों को राहत देने के लिए नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने एक बड़ा कदम उठाया है। (डीजीसीए) ने एक नया प्रस्ताव जारी किया है, जो लागू होने के बाद देशभर के यात्रियों के लिए राहत की सांस लेकर आएगा।

डीजीसीए- के इस प्रस्ताव के अनुसार, अब यात्रियों को टिकट बुक करने के बाद 48 घंटे का लुक-इन पीरियड दिया जाएगा। इसका मतलब है कि बुकिंग के 48 घंटे के भीतर यदि कोई यात्री अपनी यात्रा रद्द करना चाहता है या यात्रा की तारीख में बदलाव करना चाहता है, तो उससे किसी भी प्रकार का अतिरिक्त शुल्क नहीं लिया जाएगा। यानी यदि यात्रा की योजना अचानक बदल जाती है, तो अब यात्रियों को भारी आर्थिक नुकसान नहीं उठाना पड़ेगा। यह नियम लागू होने पर हवाई यात्रा पहले से कहीं अधिक लचीली और ग्राहक-अनुकूल बन जाएगी। फिलहाल अधिकांश एयरलाइंस टिकट कैंसिल करने या रि-शेड्यूल करने पर कई बार हजारों रुपये तक चार्ज वसूलती हैं, जिससे यात्रियों का बजट बिगड़ जाता है।

हालांकि यह नियम कुछ सीमाओं के साथ लागू होगा। यह केवल उन टिकटों पर लागू होगा जिनकी घरेलू यात्रा की तारीख बुकिंग के कम से कम पांच दिन बाद और अंतरराष्ट्रीय यात्रा की तारीख पंद्रह दिन बाद हो। इसका उद्देश्य यह है कि जिन यात्राओं की तारीख बहुत नजदीक है, उन पर एयरलाइनों के परिचालन प्रबंधन पर असर न पड़े। यदि कोई यात्री अपनी उड़ान में बदलाव करता है और नया टिकट पुराने से महंगा है, तो उसे केवल किराए का अंतर ही देना होगा। इस कदम से यात्रियों पर अनावश्यक शुल्क का बोझ नहीं पड़ेगा और उन्हें यात्रा योजनाओं में आवश्यक लचीलापन मिलेगा।

डीजीसीए ने यह भी स्पष्ट किया है कि चाहे टिकट सीधे एयरलाइन की वेबसाइट से खरीदा गया हो या किसी ट्रैवल एजेंट या ऑनलाइन पोर्टल से, रिफंड की अंतिम जिम्मेदारी एयरलाइन की ही होगी। अब तक यात्रियों को एजेंट और एयरलाइन के बीच भटकना पड़ता था। कई बार एजेंट रिफंड की जिम्मेदारी एयरलाइन पर डाल देता था, और एयरलाइन एजेंट की ओर इशारा करती थी। इस नई व्यवस्था में एजेंट को एयरलाइन का अधिकृत प्रतिनिधि माना जाएगा, जिससे यात्रियों को सीधे एयरलाइन से रिफंड प्राप्त होगा। इसके अलावा, एयरलाइन को टिकट रद्द होने के बाद अधिकतम 21 कार्यदिवसों के भीतर राशि वापस करनी होगी। इससे यात्रियों को लंबे इंतजार से छुटकारा मिलेगा और रिफंड प्रक्रिया में पारदर्शिता बढ़ेगी।

यह प्रस्ताव यात्रियों की शिकायतों और पिछले कुछ वर्षों में लगातार बढ़ते असंतोष का परिणाम है। अक्सर यात्रियों ने शिकायत की है कि एयरलाइंस टिकट कैंसिल करने पर अत्यधिक शुल्क लेती हैं और पैसे की वापसी में महीनों का

समय लगा देती हैं। डीजीसीए ने इन शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए यह सुधारात्मक कदम उठाया है ताकि यात्रियों के अधिकारों की रक्षा हो सके। यह प्रस्ताव केवल आर्थिक दृष्टि से नहीं, बल्कि मानवीय दृष्टिकोण से भी महत्वपूर्ण है। मेडिकल इमरजेंसी जैसी परिस्थितियों में यदि किसी यात्री को अपनी यात्रा रद्द करनी पड़े, तो एयरलाइन उसे पूरा पैसा लौटा सकेगी या भविष्य के लिए क्रेडिट शेल जारी कर सकेगी, जिसे बाद में उपयोग किया जा सकता है। इससे यात्रियों को कठिन परिस्थितियों में आर्थिक बोझ से राहत मिलेगी।

इसके अलावा, यदि कोई यात्री टिकट बुक करने के 24 घंटे के भीतर अपने नाम की स्पेलिंग में सुधार कराना चाहता है और टिकट सीधे एयरलाइन की वेबसाइट से खरीदा गया है, तो इसके लिए भी कोई शुल्क नहीं लिया जाएगा। यह प्रावधान उन छोटी-छोटी मानवीय गलतियों को ध्यान में रखकर बनाया गया है, जिनसे यात्रियों को पहले बेवजह का नुकसान उठाना पड़ता था। उऋड- का यह कदम यात्रियों के हितों को केंद्र में रखकर तैयार किया गया है, जिससे ग्राहक अनुभव में सुधार आएगा और हवाई सेवाओं के प्रति लोगों का भरोसा और मजबूत होगा। इस प्रस्ताव के लागू होने से न केवल यात्रियों को फायदा होगा, बल्कि पूरे विमानन उद्योग पर भी सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। यह कदम उद्योग में पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ाएगा। एयरलाइंस को अपनी ग्राहक सेवा और रिफंड प्रक्रिया को अधिक सटीक और जिम्मेदारीपूर्ण बनाना होगा। प्रतिस्पर्धा के इस युग में, जो एयरलाइन अपने यात्रियों के साथ ईमानदार व्यवहार करेगी, वही लंबे समय तक भरोसेमंद बनी रहेगी। इस प्रकार यह नियम ग्राहक-केंद्रितता को प्रोत्साहित करते हुए स्वस्थ प्रतिस्पर्धा का वातावरण भी बनाएगा।

सरकार और डीजीसीए- ने इस प्रस्ताव पर जनता और विशेषज्ञों से 30 नवंबर तक सुझाव मांगे हैं। यानी फिलहाल यह एक ड्राफ्ट नीति के रूप में मौजूद है। यात्रियों और संबंधित हितधारकों के सुझावों के आधार पर इसे अंतिम रूप दिया जाएगा। उम्मीद की जा रही है कि यह नीति दिसंबर या 2026 की शुरुआत तक लागू हो जाएगी। इसके लागू होते ही भारत का हवाई यात्रा क्षेत्र अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप और अधिक पारदर्शी बन जाएगा।

यह बदलाव लाखों यात्रियों को राहत देगा जो कभी भी योजना में बदलाव या आपात स्थिति के कारण टिकट रद्द करने को मजबूर हो जाते हैं। डीजीसीए- का यह प्रस्ताव न केवल यात्रियों के हितों की रक्षा करता है, बल्कि एक संवेदनशील और जवाबदेह शासन की दिशा में भी कदम है। यदि यह नियम लागू होता है, तो यात्रियों को यह भरोसा रहेगा कि उनकी मेहनत की कमाई कैंसिलेशन चार्ज में व्यर्थ नहीं जाएगी। अब लोग बेझिझक उड़ानें बुक कर सकेंगे, क्योंकि उन्हें यह विश्वास होगा कि अगर योजना बदल भी जाए, तो उन्हें अतिरिक्त चार्ज देने की चिंता नहीं करनी पड़ेगी। यह पहल निश्चित रूप से भारतीय विमानन उद्योग को अधिक मानवीय, पारदर्शी और यात्री-अनुकूल बनाने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम सिद्ध होगी।

चिंतन

सरकार की आलोचना करते समय सेना को क्यों घसीटा जाए?

बाल मुकुन्द ओझा
मोबाइल : 9414441218

कांग्रेसी नेता राहुल गाँधी एक बार फिर अपने देश के प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के बहाने देश के लोकतंत्र और संवैधानिक संस्थाओं पर हमला बोलते तनिक भी नहीं हिचकिचाएं। उन्होंने पूर्व की भांति मोदी पर ताबड़तोड़ हमला करते हुए इस बार सेना को भी अपने विवादित बयान में लपेट लिया। राहुल गांधी ने बिहार में एक चुनावी सभा को संबोधित करते हुए दावा किया कि देश की 90 प्रतिशत आबादी (दलित, महादलित, पिछड़े, अति पिछड़े और अल्पसंख्यक समुदाय) के बावजूद सेना, प्रमुख संस्थानों और नौकरियों पर सिर्फ 10 प्रतिशत आबादी का नियंत्रण है। इससे पूर्व राहुल गांधी द्वारा चीनी सैनिकों की ओर से भारतीय सैनिकों की पिटाई का बयान भी काफी चर्चित हुआ था। राहुल के इस विवादित बयान पर सदा की भांति एक बार फिर सियासत गरमा उठी है। इस बयान पर बीजेपी ने तीखा पलटवार किया और कहा, सेना को जातियों में बांटना चाहते है राहुल। मोदी के बहाने राहुल देश की संवैधानिक संस्थाओं को समय समय पर कटघरे में खड़ा करते आये है। वे लगातार तीन बार पार्टी की हार को पचा नहीं पाए है। मगर वे यह भूल गए देश की जनता ने नेहरू, इंदिरा और राजीव की भांति मोदी को भी प्रचंड बहुमत के साथ देश का ताज पहनाया है।

यह बात तो देशवासियों के समझ में आ रही है कि कांग्रेस और उसके नेता राहुल गांधी के लिए बिहार विधान सभा के चुनाव करो या मरो वाले होंगे मगर गांधी के हालिया बयानों पर एक नज़र डाले तो पता चलेगा, उनका गुस्सा सातवें आसमान पर सिर चढ़कर बोलने लगा है। इससे पूर्व राहुल गाँधी ने बिहार में एक रैली को संबोधित करते हुए अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के बयान को आधार बनाते हुए देश के प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी न केवल झूठा बताया अपितु तू तड़ाक वाले लहजे में अपनी बात रखी। लोकसभा में विपक्ष का नेता बनने के बाद राहुल गांधी ने संवैधानिक संस्थाओं पर हमला तेज कर दिया है। उन्होंने चुनाव आयोग और मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ मोर्चा खोलकर तरह तरह के आरोप लगाए। उन्होंने चुनाव आयोग के अधिकारियों को चेतावनी दी कि चुनाव आयोग के हर अफसर और इलेक्शन कमिश्नर को यह बात अच्छी तरह समझ लेनी चाहिए कि एक न एक दिन आपको हमारा सामना करना होगा। गाँधी बिहार में रैलियों के जरिये भाजपा और चुनाव आयोग पर मिलीभगत कर वोट चोरी का आरोप भी लगाते रहे है। राहुल लगातार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर हमलावर है और ऐसा कोई भी मौका नहीं चुकते जब उनके निशाने पर मोदी होते है। यही नहीं राहुल ने देश की सवैंधानिक संस्थाओं यथा चुनाव आयोग, न्यायालय और प्रेस पर भी समय समय पर हमला बोला है।

लगातार तीसरा लोकसभा चुनाव हारने के बात कांग्रेस के नेता समय समय पर इस प्रकार के बयान देते रहे है। राहुल गाँधी का वह चर्चित बयान याद कीजिये जिसमें उन्होंने कहा था, अगर राफेल की जांच शुरू हुई, पीएम मोदी जेल जाएंगे। बाद में राहुल गांधी ने सुप्रीम कोर्ट में खेद जताकर माना है कि वह राफेल डील पर आरोप राजनीति से प्रेरित होकर लगा रहे थे। उन्होंने बिना किसी आधार के केन्द्र सरकार की सुरक्षा डील पर सवाल उठाया। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे भी बिना सिर पैर के आरोप लगाने में पीछे नहीं रहे है। खरगे भी एक बार यह कह चुके है, अगर हमें 20 सीटें और आ जाती तो ये सारे लोग जेल में होते। ये लोग जेल में रहने के लायक हैं।

ऐसा लगता है जैसे स्वस्थ और रचनात्मक बहस का स्थान घृणात्मक और नफरत से ओतप्रोत वाद विवाद ने ले लिया है। राहुल हमेशा मोहब्बत की बात करते है मगर मोदी और आरएसएस के बारे में अपनी नफरत छुपा नहीं पाते। हालाँकि वे कहते है मैं मोदी से नफरत नहीं करता। लोकसभा में विपक्ष का नेता बनने के बाद राहुल कुछ अधिक ही उत्साहित हो रहे है। उन्हें होना भी चाहिए मगर विदेशी धरती पर जाकर मोदी और संवैधानिक संस्थाओं पर बेसिरपैर के आरोप लगाना देशवासियों के गले नहीं उतरता। राहुल के बयानों पर भाजपा आग बबूला हो रही है वहां इंडि गठबंधन की सहयोगी पार्टियां राहुल के बयानों का समर्थन कर अपनी एकजुटता प्रदर्शित कर रही है। राहुल को अपने आरोपों के समर्थन में अपने देश में ही सशक्त आंदोलन कर जनता का समर्थन जुटाना चाहिए मगर चीन जैसे दुश्मन देश के पक्ष में बोलकर देशवासियों की सहानुभूति खो रहे है।

कांग्रेस पार्टी के लोकसभा में 52 से 99 पर पहुँचने के बाद जो गंभीरता पार्टी में आनी चाहिए थी वह कमोवेश देखने को नहीं मिली है। नेता विपक्ष बनने के बाद राहुल गांधी के गुस्से में बढ़ोतरी देखी जा रही है।

राहुल गांधी को बहुत गुस्सा आता है जब लोग उन्हें तरह तरह की उपमाओं से नवाजते है। राहुल कई बार यात्राएं निकालकर लोगों के बीच गए। हर तबके के लोगों से मिले। उनका प्यार भी उन्हें मिला। राहुल गांधी की एक दशक की सियासी यात्रा पर दृष्टिपात करें तो पाएंगे कि मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद उन्होंने मोदी पर तरह तरह के आरोप लगाए। गौरतलब है राहुल ने देश की सवैंधानिक संस्थाओं यथा चुनाव आयोग, न्यायालय और प्रेस पर भी समय समय पर हमला बोला है।

नजरिया

हमने छीन लिया बच्चों का बचपन

अमित बैजनाथ गर्ग
मोबाइल : 78770 70861

हाल ही में जयपुर के एक पांच सितारा स्कूल की छठी कक्षा की छात्रा ने स्कूल की चौथी मंजिल से कूदकर आत्महत्या कर ली। छात्रा को अस्पताल ले जाया गया था, लेकिन डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। छात्रा की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई आत्महत्या कई सवाल खड़े करती है। उसकी मौत इतनी दर्दनाक और रोंगटे खड़े कर देने वाली है, जिसकी कल्पना नहीं की जा सकती। घटना के बाद छात्रा की मां स्कूल आई। उस मां ने चीत्कार के साथ कहा कि आई किल्ड माई डॉटर। आप अंदाजा लगाने की कोशिश कीजिए कि उस मां पर क्या बीत रही होगी! वह आजीवन इस आत्म ग्लानि से कैसे उबर पाएगी। वह अपनी बेटी के मन में पनपती उस पीड़ा को भी नहीं समझ पाई, जिसका अंजाम इतना दर्दनाक निकला। असल में यह घटना कई सवालों पर सोचने के लिए मजबूर करती है। सबसे पहला सवाल तो यह है कि आखिर इतने छोटे बच्चे आत्महत्या जैसा बड़ा कदम क्यों उठा रहे हैं? दूसरा हम अपने बच्चों को कैसी शिक्षा व्यवस्था में ढाल रहे हैं। तीसरा सबसे बड़ा सवाल है कि आखिर बच्चे मानसिक रूप से इतने कमजोर क्यों हो रहे हैं? ये सवाल आपस में एक-दूसरे से गहरे तक जुड़े हुए हैं। असल में आत्महत्या का प्रयास करने वाले अधिकांश बच्चे मानसिक स्वास्थ्य विकार और अवसाद से ग्रस्त हो रहे हैं। छोटे बच्चों में आत्महत्या के प्रयास अक्सर आवेगपूर्ण होते हैं। ये प्रयास उदासी, भ्रम, क्रोध या ध्यान और अति सक्रियता संबंधी समस्याओं से जुड़े हो सकते हैं। वहीं उन पर पढ़ाई और सबसे आगे रहने का दबाव भी बना हुआ है। हमारी शिक्षा प्रणाली उन पर इतना दबाव बना देती है कि वे मानसिक अवसाद में आ जाते हैं और पढ़ाई का बोझ सहन नहीं कर पाते। यह रट्टा मार शिक्षा व्यवस्था हमारे नौनिहालों के जीवन पर भारी पड़ रही है।

असल में बच्चों से लेकर युवाओं तक में आत्महत्या एक गंभीर समस्या बनी हुई है। एक अनुमान के अनुसार, 15 से 24 वर्ष की आयु के बच्चों, किशोरों और युवा वयस्कों में आत्महत्या मृत्यु का दूसरा प्रमुख कारण है। किशोरों में आत्महत्या के प्रयास तनाव, आत्म-संदेह, सफलता का दबाव, वित्तीय अनिश्चितता, निराशा और नुकसान की भावनाओं से जुड़ी हो सकती है। वहीं कुछ किशोरों के लिए आत्महत्या उनकी समस्याओं का समाधान लग सकती है। आत्महत्या के विचार और प्रयास अक्सर अवसाद से जुड़े होते हैं। अवसाद के अलावा अन्य जोखिम कारक भी हैं, जैसे आत्महत्या के प्रयासों का पारिवारिक इतिहास। हिंसा के संपर्क में आना। आवेगशीलता। आक्रामक या विघटनकारी व्यवहार। हथियारों तक पहुंच। बदमाशी। निराशा या लाचारी की भावनाएं और तीव्र हानि या अस्वीकृति।

अगर बच्चों और किशोरों की बात की जाए तो आत्महत्या के बारे में सोच रहे बच्चे और किशोर खुलेआम आत्मघाती बयान या टिप्पणियां कर सकते हैं, जैसे काश मैं मर जाता या मैं अब ज्यादा समय तक तुम्हारे लिए समस्या नहीं रहूंगा आदि। आत्महत्या से जुड़े अन्य चेतावनी संकेतों में खाने या सोने की आदतों में बदलाव। बार-बार उदासी। दोस्तों, परिवार और नियमित गतिविधियों से दूरी। शारीरिक लक्षणों के बारे में अक्सर शिकायतें होती हैं, जो अक्सर भावनाओं से संबंधित होती हैं, जैसे पेट दर्द, सिर दर्द, थकान आदि। स्कूल के काम की गुणवत्ता में गिरावट। मौत होने को लेकर चिंता आदि। आत्महत्या के बारे में सोचने वाले युवा भविष्य की योजना बनाना या उसके बारे में बात करना भी बंद कर सकते हैं।

सबसे बड़ी समस्या संवाद की कमी है। असल में परिवार अपने बच्चों को समय नहीं दे पा रहे हैं। कामकाजी परिवारों में यह समस्या सबसे ज्यादा है, जहां एकल परिवारों में पति और पत्नी दोनों काम कर रहे हैं। वे अपने बच्चों को समय नहीं दे पा रहे हैं। उनके बच्चे ज्यादातर आया और केयरटेकर के भरोसे पल रहे हैं। ऐसे परिवारों के बच्चों में अवसाद सबसे ज्यादा घर कर रहा है। इन बच्चों को लगता है कि न मम्मी के पास हमारे लिए समय है और ना ही पापा के पास। ये बच्चे अपने मन की बात किससे कहें? मनोचिकित्सकों का कहना है कि आजकल बहुत छोटे बच्चे भी डिप्रेशन और एंग्जायटी का शिकार हो रहे हैं। इसकी सबसे बड़ी दो वजह हैं। पहली, उन्हें लगता है कि दुनिया में उनका कोई नहीं है, उन्हें कोई पूछ नहीं रहा है या उनकी किसी को परवाह नहीं है। दूसरी, उन पर पढ़ाई का बोझ सबसे ज्यादा है। नंबर वन की दौड़ में पिछड़ने का डर उनके मन में इस कदर बैठा दिया गया है कि वे किताबों से आगे कुछ सोच ही नहीं पा रहे। मनोचिकित्सकों का कहना है कि अवसाद, चिंता, अकेलापन, तनाव और समाज, दोस्तों या घर-परिवार से किसी तरह का समर्थन न मिलने के कारण कई बच्चे आत्महत्या का रास्ता चुन रहे हैं। बच्चों के छोटे-छोटे हाव-भाव से उनके मानसिक स्तर का पता लगाया जा सकता है। परिवार को अपने बच्चों पर ध्यान देना जरूरी है। बच्चों के काम करने के तरीके, उनके व्यवहार में आ रहा किसी भी तरह का बदलाव, उनकी खामोशी या फिर गुस्सा, उनका चिड़चिड़ापन आदि व्यवहारगत आदतें सबसे पहले माता और पिता को पता चलती हैं। अपने बच्चों की इन आदतों या व्यवहार पर ध्यान दीजिए। माता-पिता के अलावा स्कूल में शिक्षकों और जीवन में दोस्तों को भी सावधानी बरतने की जरूरत है। उन्हें बच्चों की सुरक्षा का ध्यान रखना चाहिए। आत्महत्या के विचार या योजनाएं बनाने वाले बच्चे को तुरंत किसी अच्छे मनोचिकित्सक के पास लेकर जाएं। इससे समस्या का प्राथमिक स्तर पर ही पता लगाया जा सकता है।

जयपुर की घटना ने एक बार फिर कई सवालों को जन्म दे दिया है। यह सवाल न केवल हमारी शिक्षा व्यवस्था पर हैं, बल्कि हमारे समाज पर भी हैं। आखिर क्यों हम अपने बच्चों को समझ नहीं पा रहे हैं? क्यों हम उनके मन को पढ़ नहीं पा रहे हैं? आखिर चूक कहां हो रही है? हमने पैसे कमाने की होड़ में अपने बच्चों को अकेले घुटने के लिए तो नहीं छोड़ दिया है? पढ़ाई में अव्वल आने की दौड़ में उन्हें जीवन जीने या यूं कहिए कि बचपना करने से दूर तो नहीं कर दिया है? हमें सोचना होगा कि आखिर जिंदगी बड़ी है या किताबी सफलता? हमें इस सवाल का भी जवाब तलाशना होगा कि हम इन बच्चों की मासूमियत क्यों और किसके लिए छीन रहे हैं? सवाल बहुत हैं, जिनके जवाब आपको और हमको मिलकर तलाशने हैं। इंसानियत के नाते हम जयपुर की उस नन्ही सी जान से माफी मांगने के लायक तक नहीं हैं, जिसके जीने के अधिकार को आपने, हमने और समाज ने छीन लिया। इस पर सोचिएगा जरूर।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law. **RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- दक्षिण भारत राष्ट्रमत

शुभांशु शुक्ला को प्रयोग के नमूने एकत्र करने के लिए तीन घंटे तक अपने ही चारों ओर घूमना पड़ा

नई दिल्ली/भाषा। अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला को अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) पर अपने 18 दिनों के प्रवास के दौरान किये गये सूक्ष्म गुरुत्वाकर्षण प्रयोगों के नमूने निकालने के लिए तीन घंटे तक अपने ही चारों ओर घूमना पड़ा था। यहां सशक्त विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं नवाचार सम्मेलन (ईएसटीआईसी) में शुक्ला ने कक्षीय प्रयोगशाला में बिताए समय, 'लिफ्ट-ऑफ' और 'स्प्लैशडाउन' के दौरान 'जी-फोर्स' के अनुभव, शून्य गुरुत्व की अनुभूति और अंतरिक्ष यात्रा के बाद पृथ्वी पर जीवन में फिर से ढलने के अनुभव की झलक साझा की।

'लिफ्ट-ऑफ' और 'स्प्लैशडाउन' अंतरिक्ष यात्रा के दो अलग-अलग चरण हैं। 'लिफ्ट-ऑफ' से तात्पर्य रॉकेट का पृथ्वी की सतह से अंतरिक्ष की ओर उड़ान भरना है, जबकि 'स्प्लैशडाउन' एक अंतरिक्ष यान का पैराशूट की सहायता से किसी समुद्री क्षेत्र में उतरना है। शुक्ला ने एक्सिओम-4 मिशन पर अपने एक घंटे के भाषण में कहा, ''मेरा उद्देश्य आपको अपने साथ इस यात्रा पर ले जाना और सुनना है कि मैंने क्या अनुभव किया है, ताकि आप इसे (अंतरिक्ष उड़ान) मेरे साथ महसूस कर सकें।'' शुक्ला ने बताया कि उन्होंने एक थैली से नमूने निकालने के लिए सिरिंज का इस्तेमाल करते हुए कम से कम तीन घंटे खुद को घुमाया, ताकि यह अध्ययन किया जा सके कि सूक्ष्म शैवाल, जो घने पोषण का स्रोत है, अंतरिक्ष में कैसे बढ़ता है। उन्होंने कहा, ''पृथ्वी पर, जब किसी सिरिंज में हवा का बुलबुला होता है, तो आप उसे थोड़ा सा दबा सकते हैं और हवा का बुलबुला बाहर निकल जाएगा, या थैली को उल्टा कर दें और वह ऊपर आ जाएगी। लेकिन अंतरिक्ष में ऐसा नहीं होता।''

शुक्ला को एक थैली से सूक्ष्म शैवाल प्रयोग के नमूने एकत्र करने थे और उन्हें एक छोटे से बॉक्स में भरकर फ्रीजर में रखना था, ताकि उन्हें पृथ्वी पर वापस लाया जा सके। उन्होंने कहा, ''जब बुलबुला होता है, तो एकमात्र चीज जो काम करती है, वह यह है कि आपको स्वयं सेंट्रीफ्यूज बनना पड़ता है।''

नगर कीर्तन

दल्ली के कैबिनेट मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा, सिख धर्म के संस्थापक और दस सिख गुरुओं में से पहले गुरु, गुरु नानक देव की जयंती पर नई दिल्ली स्थित अपने राजौरी गार्डन निर्वाचन क्षेत्र में एक 'नगर कीर्तन' में भाग लेते हुए।

अदालत ने शाहबानो की बेटी की याचिका पर फिल्म 'हक' की रिलीज को लेकर फैसला सुरक्षित रखा

इंदौर/भाषा

मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय की इंदौर पीठ ने हिन्दी फिल्म 'हक' की सात नवंबर (शुक्रवार) को प्रस्तावित रिलीज रुकवाने की गुहार के साथ दायर याचिका पर मंगलवार को सुनवाई के बाद अपना फैसला सुरक्षित रख लिया। यह याचिका अपने शौहर की ओर से तलाक दिए जाने के बाद उससे गुजारा भत्ता हासिल करने के वास्ते शीर्ष अदालत तक साहसिक कानूनी लड़ाई के लिए मशहूर शाह बानो बेगम की बेटी सिद्दिका बेगम खान ने दायर की है। फिल्म 'हक' में यामी गौतम धर और इमरान हाशमी मुख्य भूमिकाओं में हैं। इस फिल्म को उस शाहबानो प्रकरण से प्रेरित बताया जा रहा है जिसके परिणामस्वरूप वर्ष 1985 में उच्चतम न्यायालय ने तलाक के बाद मुस्लिम महिलाओं के लिए भरण-पोषण के संबंध में ऐतिहासिक फैसला सुनाया था।

शाहबानो की बेटी की याचिका में दावा किया गया है कि यह फिल्म उनके परिवार की सहमति के बिना बनाई गई है और इसमें उनकी दिवंगत मां के निजी जीवन से जुड़े प्रसंगों का गलत तरह से चित्रण किया गया है। याचिका के प्रतिवादियों की फेहरिस्त में केंद्र सरकार, केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सीबीएफसी) और फिल्म 'हक' के निर्देशक सुपर्ण एस. वर्मा के साथ इस फिल्म से जुड़ी तीन निजी कंपनियां शामिल हैं। उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति प्रणय वर्मा ने सभी संबद्ध पक्षों की विस्तृत दलीलें सुनने के बाद इस याचिका पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया।

बॉर्डर-2 : रिलीज हुआ वरुण धवन का पहला लुक, मेजर होशियार सिंह दहिया बनकर करेंगे दुश्मनों का सफाया

नई दिल्ली/एजेन्सी

सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी से दर्शकों का दिल जीतने वाले वरुण धवन ने फैंस को बड़ा तोहफा दे दिया है। अभिनेता ने अपनी अपकमिंग फिल्म 'बॉर्डर-2' से अपना पहला लुक रिवील कर दिया है, जिसे देखकर फैंस खुद को तारीफ करने से नहीं रोक पा रहे हैं। वरुण धवन ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर फिल्म 'बॉर्डर-2' से अपना लुक रिवील किया है। खून से लथपथ वरुण फौजी की वर्दी पहने हुए, हाथ में बंदूक लेकर, जुनून के साथ चिल्ला रहे हैं। उन्होंने पोस्ट को शेयर कर कैप्शन में लिखा, देश के सिपाही पीवीसी होशियार सिंह दहिया, 'बॉर्डर-2' 23 जनवरी 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज। बता दें कि मेजर होशियार सिंह दहिया 1957 में जाट रेजिमेंट का हिस्सा थे और 1971 में हुए भारत-पाकिस्तान युद्ध में उन्होंने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। बताया जाता है कि पाकिस्तान की एक बटालियन ने मेजर और उनके सिपाहियों पर हमला कर दिया था, लेकिन घायल होने के बाद भी उन्होंने कई शत्रु सैनिकों को अकेले मार गिराया था, लेकिन वे वीरगति को प्राप्त हो गए थे। उन्हें परमवीर चक्र से भी सम्मानित किया गया था।'बॉर्डर-2' में वरुण धवन के अलावा सनी देओल और पंजाबी सिंगर और एक्टर दिलजीत दोसांझ भी महत्वपूर्ण रोल प्ले करने वाले हैं। फिल्म में सनी देओल 'बॉर्डर' के पहले पार्ट के ही मेजर कुलदीप सिंह चांदपुरी का रोल प्ले करेंगे, जबकि दिलजीत दोसांझ एयरफोर्स अफसर निर्मल सिंह सेखों का रोल करने वाले हैं। अभी तक मेकर्स ने सिर्फ वरुण धवन का लुक ही रिवील किया है, लेकिन जल्द ही दिलजीत दोसांझ का लुक भी रिवील किया जाएगा। इसके अलावा, फिल्म में मोना सिंह, अहान शेट्टी, और सोनम बाजवा भी शामिल हैं। अभी तक फिल्म का पहला टीजर सामने आया है, लेकिन मेकर्स जल्द ही ट्रेलर भी रिलीज करेंगे। फिल्म को निधि दत्ता, भूषण कुमार, जे.पी. दत्ता, और कृष्ण कुमार ने मिलकर प्रोड्यूस किया है, जबकि फिल्म को अनुराग सिंह ने डायरेक्ट किया है। ये फिल्म एक बार फिर देशवासियों के अंदर देशप्रेम की भावना को जगाएगी और शहीद हुए सैनिकों को सम्मान भी देगी।

स्वागत

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस मुंबई में स्टारलिंक की उपाध्यक्ष लॉरेन ड्रेयर का स्वागत करते हुए।

फिलीपीन में कालमेगी तूफान का कहर, 66 लोगों की मौत

मनीला/एपी

मध्य फिलीपीन में कालमेगी तूफान के कारण 66 लोगों की मृत्यु हो गई, जबकि 26 लापता हैं। अधिकतर लोगों की मौत भीषण बाढ़ में फंसने और तेज बहाव में बह जाने के कारण हुईं है। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी।

सेना ने बताया कि मृतकों में छह वैसे लोग भी शामिल हैं जो कालमेगी से प्रभावित प्रांतों को मानवीय सहायता पहुंचाने जा रहे फिलीपीन वायुसेना के एक हेलीकॉप्टर दुर्घटना में मंगलवार को मारे गये थे। यह हेलीकॉप्टर दक्षिणी अगूसन डेल सूर प्रांत में दुर्घटनाग्रस्त हुआ था। हालांकि इसके कारणों का विवरण उपलब्ध नहीं कराया गया है।

नागरिक सुरक्षा कार्यालय के उप प्रशासक और प्रांतीय अधिकारियों ने बताया कि अधिकांश लोगों की मौत मध्य प्रांत सेबू में हुई, जहां मंगलवार को कालमेगी के कारण अचानक बाढ़ आ गई और नदियां उफान पर पहुंच गईं।

अधिकारियों के अनुसार, बाढ़ के कारण आवासीय क्षेत्र जलमग्न हो गए, जिसकी वजह से घबराए निवासियों को अपनी छतों पर चढ़ना पड़ा। फिलीपीन के रेड क्रॉस को बचाव के लिए कई अनुरोध प्राप्त हुए, लेकिन आपातकालीन कर्मचारियों के जोखिम को कम करने के लिए जलस्तर घटने तक इंतजार करना पड़ा।

नागरिक सुरक्षा कार्यालय ने बुधवार को बताया कि सेबू में कम से कम 49 लोग मारे गए, जिनमें से अधिकतर बाढ़ में डूब गए तथा कुछ अन्य भूस्खलन और मलबे के गिरने से मारे गए। छब्बीस लोगों में से 13 लापता बताए गए हैं।

शिरकत

उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव में आयोजित 'लखपति दीदी सम्मेलन' में मौजूद रहे। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ विधानसभा अध्यक्ष रमन सिंह भी मौजूद थे।

जीवन सिर्फ सांस लेने का नाम नहीं : यामी गौतम

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री यामी गौतम आज भारतीय सिनेमा की उन चुनिंदा कलाकारों में से हैं, जो अपनी सादगी, संवेदनशील अभिनय और गहरे विचारों के लिए जानी जाती हैं। वह सफल अभिनेत्रियों में गिनी जाती हैं। अपनी कामयाबी को लेकर उन्होंने कहा कि इंसान एक कलाकार है, लेकिन उसकी रचनात्मकता के पीछे भगवान की कृपा छिपी होती है। यामी ने अपनी आने वाली फिल्म 'हक' के प्रमोशन के दौरान आईएएनएस से बातचीत की। उन्होंने कहा, ''हम सभी इस दुनिया में ईश्वर की खास रचना हैं। अगर इंसान अपनी असली ताकत और क्षमता को समझ ले, तो वह इस दुनिया को बेहतर बना सकता है। हम सभी के भीतर कुछ न कुछ खास है, पर अक्सर हम अपनी ताकत को पहचान नहीं पाते। जब हम खुद को समझने लगते हैं, तब हमें एहसास होता है कि जीवन सिर्फ सांस लेने का नाम नहीं है, बल्कि यह एक जिम्मेदारी है, अपने भीतर की कला को पहचानने और उसे सही दिशा देने की।'' उन्होंने आगे कहा, ''हर व्यक्ति को इस दुनिया में किसी न किसी उद्देश्य के साथ भेजा गया है। हर इंसान के भीतर एक अलग तरह की कला होती है, जो उसे ईश्वर की तरफ से मिली होती है। कला केवल पेंटिंग, संगीत या अभिनय तक सीमित नहीं है, बल्कि कोई भी काम जो दिल से किया जाए, वह भी एक कला हो सकता है।'' उन्होंने कहा कि कला एक आशीर्वाद है और यह हम पर निर्भर करता है कि हम उसे कितना सम्मान देते हैं। यामी ने बताया, ''अगर मैं एक लेखक हूं, तो मेरे लिए कलम और विचार सबसे ज्यादा पवित्र हैं। जब इंसान अपने काम को श्रद्धा से करता है, तो उसमें ईश्वर का स्पर्श महसूस होता है। हम सब ईश्वर की रचना हैं, उसकी अभिव्यक्ति हैं।'' यामी ने फिल्म 'हक' में एक ऐसी महिला का किरदार निभाया है जिसे उसका पति तीन तलाक देकर छोड़ देता है।

फिल्म टॉक्सिकः ए फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप्स, इतना भव्य निर्माण कम ही देखने मिलता है : हुमा कुरैशी

नई दिल्ली/एजेन्सी

हूमा ने द हॉलीवुड रिपोर्टर से बात करते हुए बताया कि इस भव्य फिल्म का हिस्सा बनना उनके लिए बेहद खास रहा। उन्होंने कहा, ये बहुत बड़े पैमाने पर बनी फिल्म है और यश जैसे सुपरस्टार और गीता मोहनदास जैसी शानदार निर्देशक के साथ काम करना बहुत प्रेरणादायक अनुभव रहा। दोनों ने मिलकर कुछ इतना खूबसूरत बनाया है जो सच में इंतज़ार के काबिल है। हूमा ने आगे कहा कि वो दक्षिण भारतीय फिल्मों में और काम करना चाहती हैं, लेकिन अभी तक कोई ऐसा प्रस्ताव नहीं आया जो उन्हें बहुत उत्साहित करे। दिल तो चाहता है दक्षिण में ज़्यादा काम करने का, पर अभी तक वैसा धमाकेदार ऑफर नहीं मिला, उन्होंने मुस्कराते हुए कहा। फिल्म टॉक्सिक की रिलीज़ का समय भी बड़ा शानदार है ये रिलीज़ होगी गुड़ी पड़वा, उगादी और ईद जैसे त्योहारों पर, जिससे टिकट खिड़की पर चार दिन का ज़बरदस्त त्योहारी माहौल बनेगा।

संजीव कुमारः जवानी में निभाए उम्रदराज रोल, अपने अभिनय से अमर किए कई किरदार

मुंबई/एजेन्सी

संजीव कुमार हिंदी सिनेमा के उन कलाकारों में से थे, जिनका अभिनय हर दौर में मिसाल माना जाता है। वे ऐसे अभिनेता थे, जिनके चेहरे पर किसी भी भाव को सहजता से पढ़ा जा सकता था। उन्होंने पर्दे पर हर तरह का किरदार निभाया, रोमांटिक हीरो भी बने, गंभीर पिता भी, और हंसाने वाले किरदार भी किए। लेकिन उनके अभिनय की सबसे बड़ी खासियत यह थी कि वे उम्र के हर पड़ाव को बड़ी सहजता से जी लेते थे। कम उम्र में भी उन्होंने इतने शानदार तरीके से उम्रदराज किरदार निभाए। संजीव कुमार का असली नाम हरिहर जेठालाल जरीवाला था। उनका जन्म 9 जुलाई 1938 को गुजरात के सूरत में हुआ था। बचपन से ही उन्हें अभिनय का शौक था और बहुत कम उम्र में उन्होंने ठान लिया था कि वह फिल्मों में ही करियर बनाएंगे।

परिवार साधारण था, लेकिन उन्होंने सपनों को सीमित नहीं रखा। वह किशोरावस्था में ही मुंबई आ गए और थिएटर से अपने अभिनय की शुरुआत की। इंडियन नेशनल थिएटर से जुड़कर उन्होंने अभिनय की बारीकियां सीखीं। थिएटर के दिनों में उन्हें सब 'हरीभाई' कहा करते थे। अभिनय की उनकी समझ इतनी गहरी थी कि जल्द ही फिल्मी दुनिया के लोग भी उनके काम को नोटिस करने लगे। फिल्मों में उनका सफर साल 1960 में 'हम हिंदुस्तानी' से शुरू हुआ। इसमें उन्होंने पुलिस

इंस्पेक्टर का छोटा सा रोल किया था, लेकिन उनके अभिनय ने दर्शकों का ध्यान खींचा। इसके बाद उन्हें साल 1965 में आई फिल्म 'निशान' में बतौर लीड अभिनेता मौका मिला। धीरे-धीरे उन्होंने अपनी जगह बनाई, लेकिन बड़ी सफलता साल 1970 की फिल्म 'खिलौना' से मिली। इस फिल्म में उन्होंने एक मानसिक रूप से अस्थिर व्यक्ति का किरदार निभाया था। किरदार इतना गहरा था कि दर्शकों ने उनके दर्द को महसूस किया।

संजीव कुमार अपने किरदार को निभाते नहीं, बल्कि जीते थे। उनके जीवन का सबसे दिलचस्प पहलू यह था कि वह अपनी उम्र से कई गुना बड़े किरदार निभाने में सबसे सहज लगते थे। उन्होंने कई फिल्मों में उम्रदराज़ व्यक्तियों की भूमिका निभाई, जिनमें उनकी सबसे प्रसिद्ध फिल्म 'शोले' रही, जो 1975 में रिलीज हुई थी। इसमें उन्होंने ठाकुर बलदेव सिंह का किरदार निभाया था, जो दोनों हाथ खो चुका है और गब्बर सिंह से बदला लेने की ठानता है।उस वक्त संजीव कुमार की उम्र सिर्फ 37 साल थी, लेकिन उन्होंने एक बूढ़े और गंभीर व्यक्ति की भूमिका को इतनी सच्चाई से निभाया कि दर्शक भूल गए कि पर्दे पर खड़ा इंसान उनकी ही उम्र का है। यही नहीं, 1974 में आई फिल्म 'नया दिन नई रात' में तो उन्होंने नौ अलग-अलग किरदार निभाए। हर किरदार की उम्र, स्वभाव और बोली अलग थी। उन्होंने हर रोल को अलग लहजे और अंदाज में निभाकर दिखा दिया कि अभिनय उनके लिए सिर्फ पेशा नहीं, बल्कि पूजा थी। बाद में यही फिल्म तमिल में बनी, जिसमें कमल हासन ने उनके किरदारों को दोहराया।

इसके अलावा फिल्म 'मौसम' में उन्होंने एक उम्रदराज डॉक्टर का किरदार निभाया, जबकि 'कोशिश' में वे एक बधिर व्यक्ति बने। संजीव कुमार ने अपने करियर में 'आंधी', 'दस्तक', 'अंगूर', 'पति, पत्नी और वो', 'नमकीन', 'परिचय', 'सिलसिला' और 'त्रिशूल' जैसी कई यादगार फिल्में दीं। उन्हें दो बार राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार से सम्मानित किया गया, पहली बार 'दस्तक' (1970) और दूसरी बार 'कोशिश' (1972) के लिए। उन्होंने गुलजार, रमेश सिप्पी और एल. वी. प्रसाद जैसे निर्देशकों के साथ काम किया। गुलजार की फिल्मों 'आंधी' और 'अंगूर' में उनका अभिनय आज भी याद किया जाता है। 1978 के बाद उन्हें दिल से जुड़ी बीमारियां शुरू हो गईं, और 6 नवंबर 1985 को 47 वर्ष की उम्र में हार्ट अटैक से उनका निधन हो गया।

'मस्ती 4' का धमाकेदार ट्रेलर रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

'मस्ती 4' के ट्रेलर लॉन्च के साथ ठहाकों से प्यार करनेवाले दर्शकों का इंतज़ार आखिरकार खत्म हो चुका है। जी हाँ, वेवबैंड प्रोडक्शन ने आखिरकार अपनी सुपरहिट कॉमेडी फ्रेंचाइज़ी 'मस्ती' के चौथे पार्ट 'मस्ती 4' का बहुप्रतीक्षित ट्रेलर लॉन्च कर दिया है और यह ट्रेलर दर्शकों की उम्मीदों से कहीं ज़्यादा मज़ेदार साबित हो रहा है। वेवबैंड प्रोडक्शन की विज़न के तहत, इस बार 'मस्ती 4' को पहले से कहीं ज़्यादा भव्य पैमाने और शानदार प्रोडक्शन वैल्यू के साथ पेश किया गया है। ट्रेलर में ठहाके, हंगामा और नॉन-स्टॉप एंटरटेनमेंट की झड़ी लगी हुई है। सबसे बड़ी बात यह है कि इस फ़िल्म से बॉलीवुड की आइकॉनिक कॉमेडी ट्रायो रितेश देशमुख, विवेक ओबेरॉय और आफताब शिवदासानी की जोड़ी एक बार फिर अमर, मीत और प्रेम के किरदारों में वापसी कर रहे हैं, जो उनके दर्शकों के लिए किसी ट्रीट से कम नहीं है। इसमें दो राय नहीं है कि इस तिकड़ी के साथ मिलाप मिलन ज़वेरी द्वारा लिखित और निर्देशित 'मस्ती 4' एक बड़े पैमाने की एंटरटेनर फिल्म होगी क्योंकि इसमें जोशीले संगीत के साथ रंगीन विज़ुअल्स और वही शरारती अंदाज़ है, जिसने इस फ्रेंचाइज़ी को खास बनाया है। साथ ही फिल्म का टैगलाइन लव वीज़ा और तीनों सितारों की जबरदस्त केमिस्ट्री इसे एक फुल-ऑन

कॉमेडी राइड बनाती है।

रितेश देशमुख ने कहा, किसी पसंदीदा फ्रेंचाइज़ में दोबारा लौटना अपने आप में एक अलग रोमांच होता है। 'मस्ती 4' बेहद मज़ेदार है, जिसमें एक शरारती ट्विस्ट भी है। विवेक और आफताब के साथ फिर से टीम बनाना मानो कॉलेज रीयूनियन जैसा अनुभव था और यकीन मानिए इनसे मिलकर मैं सेट पर इतने सालों में इतना नहीं हँसा था! रही बात दर्शकों की तो वे मिलाप के निर्देशन में, जबरदस्त मस्ती की उम्मीद कर सकते हैं! इस विषय में विवेक ओबेरॉय ने कहा, ये तो बस उस पागलपन की झलक है, जो इस फिल्म में हुआ है, और मैं अपनी मस्ती ब्रिगेड के साथ चौथी बार लौटकर बेहद एक्साइटेड हूँ! इंद्र कुमार ने जब सालों पहले इस मस्ती की सवारी शुरू की थी, तब शायद किसी ने नहीं सोचा था कि मिलाप इसे एक नए लेवल तक ले जाएंगे। सच कहूँ तो हम तीनों के बीच की केमिस्ट्री कमाल की है और दर्शक देखेंगे कि कॉमेडी और कैओस से भरपूर 'मस्ती 4' पूरी तरह से मज़ेदार भी होगी।

मैं तो सबसे यही कहूंगा कि सिंगल टिकट में ट्रिपल मस्ती करनी है, तो रिलीज़ पर मिलते हैं! विवेक के साथ ट्रिपल मस्ती की सवारी कर रहे आफताब शिवदासानी कहते हैं, मेरे लिए 'मस्ती' सिर्फ एक फिल्म नहीं, बल्कि दोस्ती, हँसी और परफेक्ट टाइमिंग का कॉम्बिनेशन है, वो भी ऑनस्क्रीन और ऑफस्क्रीन दोनों ही। जो एक वक्त पर तीन दोस्तों की मौज-मस्ती के रूप में शुरू हुआ था, वह आज दर्शकों की भावनाओं से जुड़ चुका है। 'मस्ती 4' के साथ लौटना उस जादू को दोबारा जीने जैसा है, जो उस जो खुशनुमा याद को बताती है कि ये सफर क्यों शुरू हुआ था। प्रोड्यूसर शिखा करण अहलूवालिया, जिन्होंने इस फ्रेंचाइज़ को बड़े पैमाने पर प्रोड्यूस किया है, ने कहा, मस्ती फ्रेंचाइज़ भारतीय सिनेमा और दर्शकों के दिलों में एक खास जगह रखती है। 'मस्ती 4' के साथ हमारा मकसद उस पुराने जादू को एक मॉडर्न और ग्रैंड विज़न के साथ फिर से जगाना था। मिलाप का निर्देशन, रितेश-विवेक-आफताब की शानदार केमिस्ट्री, और एक नया, एनर्जेटिक एंसेंबल मिलकर इस फिल्म को नॉस्टैल्जिक और एंटरटेनिंग दोनों बनाते हैं। नर्गिस, अरशद और तुषार अपनी अलग चमक लेकर आए हैं, जिससे ये फिल्म वाकई यादगार बन गई है। 'मस्ती 4' के डायरेक्टर मिलाप मिलन झवेरी ने कहा, पहली 'मस्ती' फिल्मों को लिखने से लेकर चौथी को लिखने और डायरेक्ट करने तक का सफर बेहद अद्भुत रहा है। ट्रायो की वापसी और कॉमेडी का डोज पहले से कहीं ज्यादा है, 'मस्ती 4' में हँसी का धमाका, जबरदस्त शरारतें और एक ऐसी मस्ती भरी राइड है, जिसकी झलक तो सिर्फ ट्रेलर में मिली है! हालांकि इस तिकड़ी के साथ इस बार फिल्म में हंसी के तूफान में नया तड़का लगाने आ रही हैं श्रेया शर्मा, रुही सिंह और एलनाज़ नौरोज़ी, जो अपने नए अंदाज़ से मस्ती में और भी रंग भरेंगी। मज़ेदार बात यह है कि इनके साथ फिल्म में तुषार कपूर, शाद रंधावा और निशांत मलकानी जैसे कलाकार भी मस्ती के साथ हंसी परोसते नजर आएंगे।

अलसूर में साध्वियों का चातुर्मास तप, त्याग व समता से सम्पन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के श्वेतांबर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ अलसूर के तत्वावधान में महावीर भवन में आयोजित चातुर्मास के आखिरी प्रवचन में साध्वी वृद्धिप्रभा जी ने हम तो ठहरे परदेशी, कल सुबह चले जाएंगे। एक रात के और मेहमान, कल सुबह चले जाएंगे' गीत गाते हुए कहा कि चौमासी दर्पण का कार्य करती है और बताती है कि इस कल्प का किसने कितना लाभ लिया है और कौन क्यों वंचित रह गया? गुरु का साथ और गुरु का हाथ दुर्लभ होते हैं। भक्ति संपन्न अलसूर संघ ने भक्ति का अनुकरणीय उदाहरण पेश किया है। साध्वी श्री निपुणप्रभा जी ने कहा कि हम संसार की कलाएं नहीं सीखें तो चलेगा किंतु नर से नारायण बनने की कला अवश्य सीखें। आत्म चिंतन करें और परमात्म पथ का शोध करें्।अपने प्रवचन में साध्वी श्री इंदुप्रभा जी ने अलसूर संघ की सेवा भावना, जिज्ञासु वृति और अनुशासन तथा सशक्त संगठन की अनुमोदना करते हुए देव, गुरु और धर्म पर श्रद्धा रखने का आह्वान किया। उन्होंने संतश्री लोकाशाह का गुणानुवाद करते हुए कहा कि संतश्री लोकाशाह का स्थानकवासी परंपरा पर अनंत उपकार है। उन्होंने आगम का शोध कर सत्य तत्व सार्वजनिक किए। उन्होंने कहा कि व्याख्यान इस तरह सुने कि जीवन की व्याख्या ही बदल दे। संघ की ओर से चातुर्मास में सेवा देने वालों का सम्मान किया गया। संघ के अध्यक्ष धनपत राज बोहरा ने साध्वी वृंद के प्रति संघ की कृतज्ञता व्यक्त की। महावीर चोरड़िया, राजेश लोढ़ा जे पी पी महिला फाउंडेशन, दीपक भंडारी ने अपने विचार रखे। श्रेयांश पारणा समिति सहित अनेक संघों ने साध्वी वृंद से शेखे काल पधारने का निवेदन किया। मंत्री अभयकुमार बांठिया ने चातुर्मास उपलब्धियों की जानकारी दी और संघ की ओर से क्षमा याचना की। साध्वी श्री रिद्धिप्रभा जी ने गीतिका प्रस्तुत की। शशिप्रभा जी ने मंगल पाठ प्रदान किया।

उड़ान प्रदर्शनी — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

जीतो नार्थ लेडीज विंग द्वारा आगामी जनवरी में गणेश बाग में आयोजित होने वाले बिजनेस टू कस्टमर ट्रेड फेयर 'उड़ान 2026' के पोस्टर का विमोचन मैसूरु में आयोजित नेशनल विमेन कॉन्क्लेव 2.0 में किया गया। पोस्टर विमोचन के मौके पर जीतो अपेक्स के अध्यक्ष विजय भंडारी, महिला चेयरपर्सन शीतल दुग्गड़, निदेशक इंचार्ज सोनाली जैन, उड़ान संयोजक अनिता सेठिया, केकेजी जोन के चेयरमैन प्रवीण बाफना, महामंत्री दिलीप जैन, केकेजी ज़ोन संयोजक पिंकी जैन, कीर्ति संचेती की उपस्थिति में जीतो लेडीज विंग की चेयरपर्सन लक्ष्मी बाफना, महामंत्री रक्षा छाजेड़, संयोजिका बिंदु नाहर आदि सदस्याओं ने विमोचन किया।

चातुर्मास सम्पन्न कर आचार्यश्री व साध्वियों ने किया चातुर्मास परिवर्तन

महालक्ष्मी लेआउट स्थित चिंतामणि पार्श्वनाथ संघ में था चातुर्मास

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के महालक्ष्मी लेआउट स्थित चिंतामणि पार्श्वनाथ जैन संघ में चातुर्मासार्थ विराजित आचार्यश्री प्रभाकरसूरीश्वरजी, महापद्मविजयजी, पद्मविजयजी व साध्वी तत्वत्रयाश्रीजी, गोयमरत्नाश्रीजी, परमप्रज्ञाश्रीजी का चातुर्मास बुधवार को सम्पन्न हुआ्। चातुर्मास परिवर्तन के लिए शोभायात्रा के साथ साधु साध्वियां नरेशकुमार, महेन्द्रकुमारजी, सुनीलकुमार बम्बोरी परिवार के निवास पर पहुंचे। इस मौके पर आचार्य श्री ने शत्रुंजय महातीर्थ की भाव यात्रा कराते हुए कहा कि कार्तिक पूर्णिमा का जैन धर्म में विशेष महत्व है क्योंकि कार्तिक पूनम के दिन चातुर्मास पश्चात् त्रुंजय महातीर्थ पालीताना गिरिराज की यात्रा पुनः प्रारंभ होती है। आचार्य श्री ने चातुर्मास के दौरान विशेष सहयोग प्रदान करने के लिए चिंतामणि पार्श्वनाथ जैन मंदिर ट्रस्ट मंडल, महिला, संगीत मंडल सामायिक मंडल आदि को धन्यवाद दिया। संघ के प्रमुख नरेश बम्बोरी ने आचार्यश्री व साध्वीत्रय के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हुए कहा कि आपके चातुर्मास ने श्री चिंतामणि पार्श्वनाथ जैन मंदिर ट्रस्ट के हृदय में अमिट छाप छोड़ी है। जयंतीलाल श्रीश्रीमाल ने धन्यवाद दिया।

आदर्श स्कूल में उल्लासपूर्वक मनाया गया कर्नाटक राज्योत्सव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के आदर्श विद्या संघ द्वारा संचालित मनवरथपेट स्थित आदर्श स्कूल में कर्नाटक राज्योत्सव का आयोजन किया गया। विद्यालय की प्रधानाचार्या डॉ. प्रज्ञा यादव ने विधिवत ध्वजारोहण कर कार्यक्रम का उद्घाटन किया। विद्यालय प्रांगण को कर्नाटक परंपरा के रंगों से सजाया गया जहाँ विद्यार्थियों ने लोकनृत्य, नाटक और समूहगान की प्रस्तुतियाँ दीं्। इन प्रस्तुतियों में राज्य की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर, भाषा और एकात्मता का संदेश उजागर हुआ्। डॉ. प्रज्ञा यादव ने कहा कि राज्योत्सव केवल उत्सव नहीं, बल्कि हमारे प्रांतीय अस्मिता, परिश्रम और गौरव का प्रतीक है। उन्होंने विद्यार्थियों से राज्य की भाषा और संस्कृति के संरक्षण का संकल्प लेने का आह्वान किया। इस अवसर पर पूरा विद्यालय परिवार गर्व और एकता की भावना से ओत प्रोत दिखाई दिया।

शांतिनगर संघ में आगामी चातुर्मास के आश्वासन से उल्लास

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के शांतिनगर वर्धमान श्वेताम्बर स्थानकवासी जैन श्रावक के अध्यक्ष धनरूपचंद मेहता के निर्देशानुसार संघ के चेयरमैन महावीरचंद मुथा एवं मंत्री छगनमल लुणावत के नेतृत्व में 50 सदस्यीय एक दल ने अगस्त माह में बल्लारी में विराजित आचार्यश्री शिवमुनिजी, प्रवर्तक गणेशमुनिजी, उपप्रवर्तक नरेशमुनिजी व गुरुवर्या चन्दनबालाजी की आज्ञानुवर्तिनी शिष्या महासतीश्री मंगलज्योति के दर्शन कर उन्हें आगामी वर्ष 2026 के शांतिनगर में चातुर्मास हेतु निवेदन पत्र समर्पित किया था। उसी कड़ी को आगे बढ़ाते हुए मंगलवार को पुन: शांतिनगर संघ के उपाध्यक्ष जयंतीलाल कवाड़, कोषाध्यक्ष प्रकाशचन्द खिंवसरा, सुरेशचन्द मुथा, ओमप्रकाश लुणावत ने साध्वीश्री मंगलज्योतिजी के दर्शन कर एक बार फिर चातुर्मास के लिए निवेदन किया। साध्वीश्री ने भी शांतिनगर के निवेदन को ध्यान में रखते हुए आश्वासन देते हुए कहा कि शांतिनगर चातुर्मास से वंचित नहीं रहेगा तथा उचित समय पर गुरुओं के मुख से चातुर्मास की घोषणा होगी। महासतीजी द्वारा आश्वासन मिलने पर ही शांतिनगर संघ में लहर छा गई।

आत्मप्रकाश का पर्व है कार्तिक पूर्णिमा : डॉ वरुणमुनि

विदाई के भाव से श्रद्धालुओं की आंखें हुई नम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर जैन गुजराती संघ में चातुर्मासार्थ विराजित डॉ. वरुण मुनिजी के सान्निध्य में चातुर्मास समाप्ति पर विशेष प्रवचन हुआ्। मुनि श्री ने उपस्थित साधकों को धर्म, करुणा और आत्मजागृति के पथ पर अग्रसर होने का प्रेरक संदेश दिया। मुनि श्री ने अपने प्रवचन में कहा कि कार्तिक पूर्णिमा केवल एक तिथि नहीं, यह आत्मप्रकाश का पर्व है। जब मन के अंधकार को ज्ञान का दीपक प्रकाशित करता है, तभी सच्ची पूर्णिमा होती है। प्रवचन के दौरान सैकड़ों श्रद्धालु भक्तों ने गहन भावनाओं के साथ मुनिश्री के उपदेशों का लाभ लिया। इस मौके पर घोषणा की गई कि चातुर्मास समापन उपरांत संतश्री पंकजमुनिजी,वरुणमुनिजी एवं रूपेशमुनिजी दिल्ली चातुर्मास हेतु विहार यात्रा के लिए प्रस्थान करेंगे। संतश्री के विहार का समाचार सुनकर श्रद्धालु विदाई के भाव से भावविह्वल हो उठे। प्रवचन के पूर्व कार्यक्रम का शुभारंभ श्री रूपेश मुनि जी के मधुर भजनों से हुआ्। उपप्रवर्तक श्री पंकजमुनिजी महाराज ने मंगल पाठ का वाचन कर सभी को शुभा शीष प्रदान किया ।

गुरु गणेश सेवा समिति के पदाधिकारियों ने साधु साध्वियों के दर्शन किए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। मानव सेवा के क्षेत्र में सेवारत तथा जरुरतमंदों को प्रतिमाह अमावस्या पर भोजन प्रसाद कराने में अग्रणी गुरु गणेश सेवा समिति के पदाधिकारियों ने देश के विभिन्न राज्यों में चातुर्मासार्थ विराज रहे साधु साध्वीवृंद के दर्शन किए्। समिति के कार्याध्यक्ष आशीष बाफ़ना ने बताया कि 9 दिनों के इस धार्मिक यात्रा में करीब पांच राज्यों के विभिन्न शहरों में 30साधु-साध्वीवृंद के दर्शन किए व आशीर्वाद प्राप्त किया। समिति के चेयरमैन गौतमचंद धारीवाल एवं कोषाध्यक्ष मनोहरलाल बाफना आदि ने पुणे, औरंगाबाद, जालना, अहमदनगर, घोड़नदी, बीड़, तेलंगाना के हैदराबाद, सिकंदराबाद, दिल्ली, उत्तराखंड में देहरादून, पंजाब के लुधियाना शहर में विराजित साधु साध्वीवृंद के दर्शन किए। पदाधिकारियों ने जालना में खद्दरधारी संतश्री गणेशलालजी के तपोधाम पर शीश नवाया। जालना में ही श्रमण संघीय सलाहकार रमणीकमुनिजी के 59वें जन्मोत्सव पर दर्शन किए्। साध्वीश्री हिमानीजी के 124वें आयंबिल तप की अनुमोदना कर प्रवचन श्रवण किया। इसके अलावा हैदराबाद स्थित काचीगुड़ा स्थानक में साध्वी जयश्रीजी की निश्रा दीक्षार्थी कोमल छाजेड़ का समिति की ओर से सम्मान किया।

हिमाचल प्रदेश के ऊंचाई वाले इलाकों में हुई बर्फबारी

शिमला/भाषा। हिमाचल प्रदेश के ऊंचाई वाले इलाकों में बुधवार को बर्फबारी हुई जिससे कड़ाके की ठंड का सामना कर रहे स्थानीय लोगों के साथ पर्यटकों में खुशी की लहर दौड़ गई। जनजातीय जिले लाहौल- स्पीति तथा ऊंचे इलाकों किन्नौर और कुल्लू समेत विभिन्न स्थानों में बर्फबारी हुई, जिससे तापमान में गिरावट दर्ज की गई और आसपास की घाटियों में ठंड बढ़ गई। मौसम विभाग ने बुधवार को बताया कि लाहौल – स्पीति जिले के कुकुमसेरी और केलोंग में भी बर्फबारी हुई। बर्फबारी के वीडियो इंटरनेट पर भी प्रसारित हुए। खबरों के अनुसार लाहौल घाटी, रोहतांग दर्रा, कोकसर, मारी और आसपास के इलाके बर्फ ढक गए। जनजातीय क्षेत्रों में लोग भीषण ठंड से जूझ रहे हैं, जहां पारा हिमांक बिंदु से दो से सात डिग्री नीचे बना हुआ है जबकि मध्य और निचले पहाड़ी क्षेत्रों में अलग-अलग स्थानों पर हल्की बारिश हुई है। स्थानीय लोगों और व्यापारियों को जल्द ही बर्फबारी से मनाली और लाहौल-स्पीति में पर्यटकों की आमद बढ़ने की उम्मीद है। स्थानीय निवासी कीर्ति कृष्ण और रूपलाल ने कहा कि बर्फबारी से पर्यटन कारोबार को बढ़ावा मिलेगा।

गौतम मुथा ने 'मारवाड़ कांठा समाज' के संस्थापक अध्यक्ष की शपथ ली

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। डॉ मुनिश्री पुलकित कुमारजी के सान्निध्य में नव गठित मारवाड़ कांठा क्षेत्र के तेरापंथ समाज के संगठन 'मारवाड़ कांठा समाज' का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित हुआ्। पारसमल भंसाली ने नव नियुक्त संस्थापक अध्यक्ष के रूप में गौतमचंद मुथा को शपथ दिलवाई।मुथा ने उपाध्यक्ष के रूप में पवन चौपड़ा, नवरतन गादिया, माणक बलडोटा, महावीर धोका, संजय बांठिया, प्रदीप सकलेचा, नवीन छाजेड़, विनोद छाजेड़, मुकेश नाहर, ललित आच्छा, हनुमान गादिया, मंत्री के रूप में नवनीत मुथा, सहमंत्री शांतिलाल पोरवाल, मदनलाल रायसोनी, कमल गादिया, जयंती नाहर, अरविंद कोठारी, राजेंद्र बाफना, जयंतीलाल छाजेड़, गौतम ड़ोसी, अशोक नाहर, कोषाध्यक्ष प्रकाश कटारिया, संगठन मंत्री भूपेंद्र रायसोनी, आयोजन प्रभारी दिनेश छाजेड़, प्रचार प्रसार प्रभारी हितेश गिरिया, यातायात प्रभारी प्रवीण नाहर, राजेश सिसोदिया, युवा विंग प्रभारी विनोद मुथा, राजू धोका , दीपक सेठिया, महिला विंग प्रभारी शांति सकलेचा, विजेता रायसोनी, ज्योति संचेती आदि टीम तथा परामर्शक तथा कार्यकारिणी की घोषणा करते हुए उन्हें शपथ दिलवाई । मुनिश्री ने आशीर्वाद देते हुए कहा कि आचार्य भिक्षु के प्रति एवं वर्तमान आचार्य श्री महाश्रमणजी के प्रति अटूट आस्था रखे, हमेशा समर्पित रहे। आप सभी आपस में परस्पर सामंजस्य एवं सौहार्द बनाकर रखे। मुनि श्री ने 'एक समाज-एक आवाज' का महत्वपूर्ण उदघोष प्रदान किया। नवनिर्वाचित अध्यक्ष गौतमचंद मुथा ने अपना प्रथम अध्यक्षीय वक्तव्य देते हुए कहा कि जिस उद्देश्य के साथ इस संगठन की स्थापना हुई हमें सभी को मिलकर इस संगठन का गौरव बढ़ाना है। आगामी अनेक सांस्कृतिक एवं आपसी मेलजोल के आयोजन आप सभी के सहयोग से हम करेंगे ताकि अधिक से अधिक बंधुगण विशेष रूप से युवा वर्ग हमारे इस संगठन से जुड़ सके । इस अवसर पर अनेक गणमान्य लोगों ने नव गठित टीम को प्रोत्साहित करते हुए अर्थ सहयोग देने की घोषणा की। इस मौके पर संबंधित संस्थाओं के सदस्य उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन विनोद छाजेड़ ने किया तथा धन्यवाद नवनीत मुथा ने दिया।

कन्नड़ राज्योत्सव — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के कर्नाटक रक्षण वेदिके द्वारा 70वें कन्नड़ राज्योत्सव के उपलक्ष्य में चंद्रा लेआउट में सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित महेन्द्र मुणोत ने संस्था के राज्य अध्यक्ष प्रवीण शेट्टी, शिवानंद शेट्टी, प्रसाद शेट्टी आदि के साथ मिलकर दीप प्रज्ज्वलन किया तथा सांस्कृतिक कलाकारों का सम्मान किया।

दूसरों की कमजोरी देखना छोड़ देना चाहिए : संतश्री ज्ञानमुनि

यलहंका में वीर लोकाशाह जयंती मनाई गई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के यलहंका स्थित सुमतिनाथ जैन संघ के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित संतश्री ज्ञानमुनिजी के सान्निध्य में वीर लोकाशाह जयंती मनाई गई्। संतश्री ने कहा कि आज कार्तिक पूर्णिमा है। आखिरी दिन हम लोकाशाह जैसे महान क्रांतिकारी को याद कर रहे हैं्। कुछ लोग होते हैं जो याद नहीं आते लेकिन कुछ लोग जाने के बाद भी याद किए जाते हैं्। यह सब मनुष्य के कार्यों पर निर्भर करता है। जो जैसा करेगा उसकी पहचान भी वैसी ही बनेगी। जीवन के बाद अगर याद रहना है तो अच्छे कर्म कर के धर्म कार्य करते रहना चाहिए्। ऐसे ही वीर लोकाशाह का जीवन था। लोकाशाह का जन्म सिरोही के एक गांव में हुआ था। कार्तिक पूर्णिमा के दिन उनका जन्म हुआ था। कारवाड़ में रहते थे। अच्छे श्रावक थे। पिता के दिवंगत होने के बाद वे अहमदाबाद में रहने लगे। अच्छे लोगों पर समाज और शासन की नजर पड़ ही जाती है। फूल कभी पत्तों से नीचे नहीं रहता बल्कि ऊपर आ ही जाता है। ऐसे ही अच्छे लोगों की पहचान हो जाती है। उनकी लिखावट बहुत अच्छी थी। लिखना और बोलना एक कला है। लोकाशाह की गहन शक्ति बहुत अच्छी थी। वो आगम लिखने के साथ पढते और मनन करते थे। संतश्री ने कहा कि लोकाशाह बहुत ही निडर थे। चेहरा तेज था। वाणी में बल था। दुनिया उनके वचनों पर झुकती थी। आगम लिखते लिखते उन्होंने जैनों के सिद्धांतों का प्रचार शुरू किया। वे दिन भर आगम पढते थे। शास्त्र पढते थे। उन्होंने अपना जीवन संतों की सेवा करने में लगाया। लोकाशाह जैनत्व क्या है, आगम क्या है इसका प्रचार करते थे। वे अकेले चले, लेकिन बाद में हजारों लोग उनके भक्त हो गए। वे जहां गए उनका प्रभाव जोरदार पड़ा। वे बहुत ही ज्ञानी थे। उन्होंने अपने ज्ञान से प्रकाश फैलाने का काम किया।

संतश्री ने कहा कि किसी को छोटा नहीं समझना चाहिए्। कभी कभी सुई भी काम आ जाती है, इसलिए किसी को छोटा ना समझें्। सभी के प्रेम को स्वीकार करना चाहिए्। गरीब हो या अमीर, सबका सम्मान करो। सभी में योग्यता है। बिना मांगे कभी कोई सलाह नहीं देनी चाहिए्। दूसरों की कमियों को नहीं देखना चाहिए्। ऐसा करने वाले अपना जीवन बदल सकते हैं्। चातुर्मास समापन पर कैलाशचंद टेबा व पुष्पा विनायकिया ने गुरुदेव के प्रति अपने विचार प्रकट किए्। अध्यक्ष प्रकाशचंद कोठारी ने स्वागत किया एवं महामंत्री मनोहरलाल लुकड़ ने संचालन करते हुए आगामी कार्यक्रमों की जानकारी दी।

संत दर्शन — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के जैन युवा संगठन (जेवाईएस) के प्रतिनिधिमंडल ने श्रीनगर में कुंथुनाथ श्वेतांबर जैन मंदिर में विराजित पंन्यासश्री आगमशेखर विजयजी, त्यागराजनगर स्थानक में विराजित साध्वी स्वागतश्रीजी, जयनगर के धर्मनाथ जैन श्वेतांबर मंदिर में विराजित साध्वी पावननिधिश्रीजी, जयनगर स्थानक में विराजित साध्वी कंचनकवरजी आदि के दर्शन कर आशीर्वाद लिया। जेवाईएस के अध्यक्ष मुकेश सुराणा ने सभी साधु साध्वियों को संगठन के कार्यक्रमों की जानकारी दी। मंत्री सुश्रुत चेलावत ने संगठन की वर्तमान कार्यप्रणाली, सामाजिक गतिविधियों, चल रहे प्रकल्पों की जानकारी साझा की। इस मौके पर सहमंत्री दीपेश धोका, साधु-साध्वी सेवा समिति के चेयरमैन कमलेश कोठरियां, पूर्व उपाध्यक्ष मुकेश बाबेल आदि उपस्थित थे ।

Printed & Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com